राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 08 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-193 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब सीमा पर भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 140 सिस्टम किए गए तैनात

नई दिल्ली। पाकिस्तान और चीन से जुड़ी भारतीय सीमा पर अब निगाहें और भी चौकस होंगीं। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने सीमा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी सिस्टम को तैनात कर दिया है। जानकारी के मुताबिक चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर एआई आधारित निगरानी प्रणालियों के साथ साथ इसका उपयोग सोशल मीडिया निगरानी के लिए भी होगा। आतंकवाद रोधी अभियानों में खुफिया जानकारी जुटाने के लिए भी इस तकनीक की इस्तेमाल किया जाता है।

सीमा पर कोई भी हलचल होते ही प्रतिक्रिया शुरू!

दरअसल, पाकिस्तान के साथ लगी 749 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा और चीन से लगी 3448 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा में अब विश्व स्तरीय निगरानी प्रणाली है। द ट्रिब्यून ने अपनी एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि इस सिस्टम में उच्च-क्वालिटी वाले कैमरे, सेंसर, यूएवी फीड और रडार फीड शामिल हैं, जो वहां किसी भी हलचल के होते ही प्रतिक्रिया करना शुरू कर देते हैं।

मिलेगी ग्राउंड जीरो की स्थिति की लाइव फीड!

हाल के समय में कश्मीर में हुए कई एंटी टेरर ऑपरेशन की सफलता में एआई आधारित रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर ने अहम भूमिका निभाई। इसी को आगे बढ़ाते हुए चीन और पाकिस्तान पर नजर रखने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाते हुए, सेना ने ग्राउंड जीरो की स्थिति की लाइव फीड प्राप्त करने के लिए लगभग 140 कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित निगरानी प्रणाली (एआई सिस्टम) तैनात की है। असल में रक्षा क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल पर 2018 में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। इस टास्क फोर्स ने ही सशस्त्र सेनाओं में एआई के इस्तेमाल का रोड-मैप तैयार किया है। इसी कड़ी में पिछले दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सैन्य तकनीक और साजो सामान सेनाओं को सौंपी गई।

धर्म के नाम पर खून बहाने की सनक!

नुपुर शर्मा के समर्थन करने पर मुस्लिम समुदाय के कट्टरपंथियों ने युवक पर किया तलवार से हमला, हालत नाजुक

मुंबई। हम सभी अपने मोबाइल से सोशल मीडिया पर अपने अपने विचार शेयर करते हैं लेकिन यह विचारों की अभिव्यक्ति अब लोगों के लिए घातक होते जा रही हैं। पिछलें कुछ दिनों में हिंसा करने वाले उपद्रवी इस कदर बेखौफ हो गये हैं कि धर्म के नाम पर खून बहाने की सनक में लोगों की हत्या करने पर अमादा हो गये हैं। कुछ ही समय पहले मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने उदयपुर में दर्जी की नुपुर शर्मा का समर्थन करने पर बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने बड़ी ही शान से सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो भी शेयर करते हिंदू समुदाय के लोगों का डराया था। उसके बाद भी कई घटनाएं सामने आयी जिसमें हिंदू समुदाय के लोगों की केवल इस लिए हत्या की गयी क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया पर नुपुर शर्मा का समर्थन किया था। अब एक नया मामला भी सामने आया हैं। जहां एक बार फिर नुपुर शर्मा के समर्थन में स्टेटस लगाने पर युवक पर धारदार हिथयार से मुस्लिम समुदाय के कुछ कट्टरपंथी लोगों ने हमला कर दिया। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में भीड़ ने 23 वर्षीय एक व्यक्ति पर सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित नेता नुपुर शर्मा का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। चार अगस्त को हुई इस घटना के संबंध में चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमले के पीछे के मकसद के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि जांच प्रारंभिक चरण में है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रतीक उर्फ सनी राजेंद्र पवार को सिर और शरीर के अन्य

हिस्सों में चोट के इलाज के लिए अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया। अहमदनगर जिला मुख्यालय से 222 किलोमीटर दूर कर्जत शहर के अक्काबाई चौक पर एक मेडिकल दुकान के सामने बृहस्पतिवार शाम को मुस्लिम समुदाय के कम से कम 14 लोगों ने तलवार, दरांती, लाठी और हॉकी स्टिक से पवार पर हमला किया। अधिकारी ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मामले में शिकायतकर्ता पवार और अमित माने अपने दोपहिया वाहन पर एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे और मेडिकल दुकान के पास एक मित्रकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उसी समय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग दोपहिया वाहनों से उनके पास पहुंचे। प्राथमिकी के अनुसार, वे तलवार, दरांती और हॉकी स्टिक लिए हुए थे। माने ने शुक्रवार को दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में कहा कि उनमें से एक ने पवार पर चिल्लाते हुए कहा कि उसने नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा था और कन्हैया लाल के बाद इंस्टाग्राम पर स्टेटस भी डाला था और फिर उन लोगों ने हमला कर दिया। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा के समर्थन में एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा करने के लिए उदयपुर में जून में कन्हैया लाल की दो मुस्लिम युवकों ने हत्या कर दी थी। शर्मा के पैगंबर संबंधी बयान के कारण काफी विवाद हुआ था। हमलावरों ने पवार को धमकी दी कि उसका भी उमेश कोल्हे जैसा ही हश्र होगा। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए कहा कि हमलावरों में से एक ने पवार की आंखों पर भी मारा। सोशल मीडिया पर नुपुर शर्मा का समर्थन करने के कारण महाराष्ट्र के अमरावती जिले में केमिस्ट कोल्हे की हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मामले की जांच कर रहा है। पवार के घायल होने के बाद, माने ने अपने दो दोस्तों को फोन किया और वे पवार को सरकारी अस्पताल ले गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमले को पवार के सोशल मीडिया पोस्ट से जोड़ना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, ''हालांकि नुपुर शर्मा के समर्थन में पवार के सोशल मीडिया पोस्ट का उल्लेख है, लेकिन इसके बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि जांच जारी है।'' उन्होंने कहा कि पवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है और उसके खिलाफ दो मामले लंबित हैं।

रामायण सर्किट रेल यात्रा की शुरूआत 24 अगस्त से

आगरा। भारत गौरव ट्रेन पर आधारित रामायण सर्किट रेल यात्रा के सफल संचालन के उपरांत एक बार फिर पर्यटकों की मांग के मद्देनजर आगामी 24 अगस्त से दूसरी रामायण सर्किट रेल यात्रा की शुरूआत होगी। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिन्हा ने बताया कि रामायण सर्किट रेलयात्रा दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होकर यह यात्रा 19 रात्रि और 20 दिन में संपूर्ण होगी। उन्होंने बताया कि पहले की भांति ट्रेन भगवान राम से जुड़े स्थलों जैसे अयोध्या, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, काशी, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हंपी, रामेश्वरम, कांचीपुरम एवं भद्राचलम का दर्शन कराएगी। अधिकारी ने बताया कि इस ट्रेन में थर्ड एसी श्रेणी के कोच होंगे, जिसमें कुल 600 यात्रियों के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन के साथ सफर का आनंद लेने की सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य रुपये 84 हजार, दो/तीन लोगों के साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य 73,500 रुपये प्रति व्यक्ति है। सिन्हा ने बताया कि एक बच्चे के लिए पैकेज का मूल्य रुपये 67,200 रुपये होगा। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में आईआरसीटीसी द्वारा पहले 100 यात्रियों की बुकिंग पर दस प्रतिशत का डिस्काउंट भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईएमआई पर भी पैकेज बुक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा पर पात्रता के अनुसार सरकारी कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ लेने की सुविधा होगी। सिन्हा ने बताया कि इस पैकेज में यात्रा के दौरान नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का शाकाहारी भोजन, बसों द्वारा स्थानीय यात्रा तथा रात्रि विश्राम के दौरान होटलों में ठहरने की कमफर्ट क्लास एवं सुपिरियर क्लास के कमरों की भी सुविधा रहेगी।

भारत ने पाकिस्तान के हिंदू डॉक्टरों के लिए खोले दरवाजे, प्रैक्टिस की मिलेगी इजाजत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से आए उन हिंदू डॉक्टरों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं, जो 31 दिसंबर 2014 के बाद अपना वतन छोड़कर यहां आ गए और प्रैक्टिस कर रहे हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने ऐसे लोगों से आवेदन मांगे हैं, जिन्होंने आधुनिक चिकित्सा या एलोपैथी की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी स्थायी रजिस्ट्रेशन अनुदान के लिए भारत की नागरिकता प्राप्त की है। एनएमसी के अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड द्वारा शुक्रवार को जारी एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को आयोग या इसके द्वारा अधिकृत एजेंसी द्वारा

आयोजित की जाने वाली परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। एनएमसी ने जून में विशेषज्ञों के एक समूह का गठन किया था ताकि प्रस्तावित परीक्षण के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें। पाकिस्तान से प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के बीच मेडिकल स्नातकों को सक्षम बनाने की भी पहल की गई है। इसके बाद वे यहां प्रैक्टिस करने के लिए स्थायी रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर सकेंगे। यूएमईबी के अनुसार, आवेदक के पास एक वैध चिकित्सा योग्यता होनी चाहिए और भारत में प्रवास से पहले पाकिस्तान में प्रैक्टिस किया होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर है। आवेदकों को एनएमसी वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। आयोग द्वारा ऑफलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा संबंधित एजेंसियों और विभागों के परामर्श से सभी आवेदनों की जांच की जाएगी। शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।

नोटिस में कहा गया है, परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदक भारत में आधुनिक चिकित्सा या एलोपैथी की प्रैक्टिस करने के लिए स्थायी रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र होंगे।

रेप पर क्या बोल गए अशोक गहलोत, निर्भया का भी भूले नाम; हो रही है किरकिरी

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलतो ने रेप को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है, जिसको लेकर विपक्ष अब उनपर हमलावर हो गया है। गहलोत ने रेप के बाद पीड़िता की हत्या के लिए फांसी की सजा को जिम्मेदार बताया है।

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलतो ने रेप को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है, जिसको लेकर विपक्ष अब उनपर हमलावर हो गया है।

अशोक गहलोत ने रेप के बाद पीड़िता की हत्या के लिए फांसी की सजा को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा है कि निर्भया कांड के बाद रेप के लिए फांसी की सजा तय किए जाने किए जाने से यह ट्रेंड बढ़ गया है। हालांकि, इस दौरान वह निर्भया का नाम भी गए और 2-3 बार अभया केस बोल गए। आसपास बैठे लोगों ने उन्हें निर्भया का नाम याद दिलाया।

अंतरिक्ष में भारत की नई उड़ान, देश का सबसे छोटा रॉकेट SSLV-D1 लॉन्च

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार सुबह 9.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (स्ठस्ट) से अपना पहला नया रॉकेट स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल D1 लॉन्च किया। इस रॉकेट के 75 पेलोड देश भर के 75 ग्रामीण सरकारी स्कूलों के 750 छात्र-छात्राओं ने बनाए हैं। डिजाइन करने वाली लड़कियां भी लॉन्च के समय श्रीहरिकोटा में मौजूद रहीं।

रॉकेट ने सही तरीके से काम करते हुए दोनों सैटेलाइट्स को उनकी निर्धारित कक्षा में पहुंचा दिया। रॉकेट अलग हो गया। लेकिन उसके बाद सैटेलाइट्स से डेटा मिलना बंद हो गया। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि इसरो मिशन कंट्रोल

सेंटर लगातार डेटा लिंक हासिल करने का प्रयास कर रहा है। हम जैसे ही लिंक स्थापित कर लेंगे, देश को सूचित करेंगे। माइक्रो श्रेणी के EOS-02 उपग्रह में इंफ्रारेड बैंड में चलने वाले और हाई स्पेशियल रेजोल्यूशन के साथ आने वाले आधुनिक ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग दिए गए हैं और इसका वजन 142 किलोग्राम है। EOS-02 10 महीने के लिए अंतरिक्ष में काम करेगा। वहीं आजादी सैट आठ किलो का क्यूबसैट है, इसमें 50 ग्राम औसत वजन के 75 उपकरण हैं। इन्हें ग्रामीण भारत के सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर इसरो के वैज्ञानिकों की मदद से बनाया। वहीं स्पेस किड्स इंडिया के विद्यार्थियों की टीम ने धरती पर प्रणाली तैयार की जो उपग्रह से डाटा रिसीव करेगी। यह सैटेलाइट नई तकनीक से लैस है जो कि फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर, जियोलॉजी और हाइड्रोलॉजी जैसे क्षेत्रों में काम करेगा।

रामायण पर हुई ऑनलाइन क्विज केरल के दो मुस्लिम छात्रों ने जीती, बोले- राम से हर किसी को लेनी चाहिए प्रेरणा

तिरुवनंतपुरम। केरल के मलप्पुरम के दो मुस्लिम छात्रों (बासित और जाबिर) ने ऑनलाइन रामायण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जीतकर लोगों को हैरान कर दिया है। महान महाकाव्य के गहन ज्ञान ने बासित और जाबिर को विजेता बनाने में मदद की है। इस प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन दिग्गज प्रकाशक कंपनी डीसी बुक्स ने किया था। दोनों उत्तरी केरल जिले के वलांचेरी में केकेएसएम इस्लामिक एंड आर्ट्स कॉलेज के छात्र हैं। छात्रों ने कहा कि वे बचपन से महाकाव्य के बारे में जानते थे। उन्होंने वाफी पाठ्यक्रम में शामिल होने के बाद रामायण और हिंदू धर्म के बारे में गहराई से पढ़ना और सीखना शुरू कर दिया, जिसके पाठ्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों की शिक्षाएं हैं।

रामायण-महाभारत महाकाव्य सभी भारतीय पढ़ें

जाबिर ने कहा, सभी भारतीयों को रामायण और महाभारत महाकाव्यों को पढ़ना और सीखना चाहिए क्योंकि वे देश की संस्कृति, परंपरा और इतिहास का हिस्सा हैं। मेरा मानना है कि इन ग्रंथों को सीखना और समझना हमारी जिम्मेदारी है। राम को अपने पूज्नीय पिता दशरथ से किए गए वादे को पूरा करने के लिए अपने राज्य का भी त्याग करना पड़ा। सत्ता के

लिए अंतहीन संघर्षों के दौर में रहते हुए, हमें राम जैसे पात्रों और रामायण जैसे महाकाव्यों के संदेश से प्रेरणा लेनी चाहिए।

बासित महसूस करते हैं कि व्यापक पठन अन्य धर्मों और इन समुदायों के लोगों को अधिक समझने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी धर्म नफरत को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि केवल शांति और सद्भाव का प्रचार करता है। उन्होंने कहा कि प्रश्नोत्तरी जीतने से उन्हें महाकाव्य को और गहराई से सीखने की प्रेरणा मिली है।

'अयोध्याकांड' की चौपाई बासित की पसंदीदा-अगर आप बासित से रामायण की उनकी पसंदीदा चौपाई के बारे में पूछें, तो वह तुरंत 'अयोध्याकांड' की चौपाई को दोहरा देते हैं। इसमें लक्ष्मण के क्रोध और भगवान राम की ओर से अपने भाई को दी जा रही सांत्वना का वर्णन है। इसमें भगवान राम साम्राज्य और शक्ति की निरर्थकता को विस्तार से बता रहे हैं। वह न केवल अध्यात्म रामायणम के छंदों को धाराप्रवाह और मधुर रूप से प्रस्तुत करेंगे, बल्कि पवित्र पंक्तियों के अर्थ और संदेश को भी विस्तार से बताएंगे। मालूम हो कि अध्यात्म रामायणम महाकाव्य का मलयालम संस्करण है, जिसे थूंचथु रामानुजन एझुथाचन ने लिखा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पेपरलेस विधानसभा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को रिझाने के लिए मुफ्त में वस्तुएं और बिजली, पानी जैसी सेवाएं उपलब्ध कराने की रेवड़ी संस्कृति पर रोक लगाने का विचार व्यक्त किया था। इसके बाद से यह लोकलुभावनवाद राजनीतिक संस्कृति विमर्श के दायरे में आ गया है। सुप्रीम कोर्ट में रेवड़ी संस्कृति को आपराधिक करार देने की मांग करने वाली एक याचिका भी दायर हुई है। पिछले बुधवार को शीर्ष अदालत ने इस मसले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए विशेषज्ञों की एक समिति के गठन का संकेत दिया। इस समिति में सभी राजनीतिक दल, नीति आयोग, वित्त आयोग, भारतीय रिजर्व बैंक को शामिल किया जाएगा। समिति इस मसले पर विचार विमर्श करेगी और शीर्ष अदालत को सुझाव देगी। अच्छा होता यदि इसमें नागर समाज के कुछ प्रबुद्धजनों को भी शामिल किया गया होता। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि रेवड़ी बांटने की संस्कृति के वाहक सभी राजनीतिक दल हैं। सभी राजनीतिक दल इस तरह की घोषणाएं करते हैं। जनकल्याणकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरूरतमंदों को सरकारों से सामाजिक-आतथक मदद मिलनी ही चाहिए। वास्तव में मुफ्त उपहारों का वर्गीकरण किया जाना चाहिए। कुछ उपहार ऐसे हैंग जो अत्यंत अनिवार्य हैं, और उन्हें दिया ही जाना चाहिए। मसलनग गरीबों को राशनग वृद्धों को पेंशन, दिव्यांगों को आर्थिक मदद आदि। उपहार ऐसे भी हो सकते हैंग जिन्हें अस्थायी तौर पर दिया जाना चाहिए। सुखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के समय सरकारों की ओर से भोजन, पानी और अन्य वस्तुएं बांटी जाती हैं। कोविड़-19 महामारी के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से लोगों को मुफ्त दिया गया। यह कहा जा सकता है कि इसके अलावा जो मुफ्त उपहार या सेवाएं आम जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं, उन्हें रिश्वत की श्रेणी में रखा जा सकता है। देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिन्हें यह लगता है कि जनता को मुफ्त बिजली, पानी, कंप्यूटर आदि उपलब्ध कराने से सरकारी खजाने पर बोझ बढ़॰ता है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने अदालत में उल्लेख किया कि मुफ्त उपहार बांटने से मतदाता प्रभावित होते हैं। अगर इस प्रवृत्ति को नियम के दायरे में नहीं लाए गया तो देश की आतथक स्थिति बदतर हो सकती है।

हिंदी बने जन-जन की भाषा

शिक्षा क्या है? शिक्षा वो है जो बच्चे को जानवर से इंसान बनाए। रोज़गार पाने के लिए अंग्रेज़ी भाषा में शिक्षा जी रही है, ठीक है, रोटी की भाषा अंग्रेज़ी होती है तो होती रहे। लेकिन, हर बच्चे को, हर व्यक्ति को एक दूसरी शिक्षा भी चाहिए। उस शिक्षा का माध्यम हिंदी होनी चाहिए, दूसरी क्षेत्रीय भाषाएँ होनी चाहिए।

अगर आप यह सोचेंगे कि एक ही शिक्षा है, वो जो स्कूल, कॉलेज में दी जा रही है, तो आपको लगेगा, फ्रअरे अरे! अंग्रेज़ी छा गईफ्र। वही भर शिक्षा थोड़े ही है। जो असली शिक्षा है, वह भारत की मिट्टी की भाषाओं में ज़्यादा खूबसूरती से दी जा सकती है। बहुत अंग्रेज़ी पढ़ा-लिखा इंसान होगा हिंदुस्तान में, ऐसा भी होगा जो देवनागरी लिखना ही भूल गया हो, %क% न लिख पाता हो अब, वो भी गाने तो मोहम्मद रफ़ी के ही सुनता है। भारत के एक-से-एक भूरी चमड़ी वाले अंग्रेज हैं, गाली तो वो भी हिंदी में ही देते हैं। तो आप चिंता मत करिए।

कोई भी भाषा अपनी उपयोगिता के आधार पर ही ज़िंदा रहती है। जो भाषा अनुपयोगी हो गई, वो मर जाती है। आप उसको बहुत दिनों तक कृत्रिम तरीकों से, वेंटीलेटर पर ज़िंदा नहीं रख सकते। आप यह नहीं कह सकते, फ्रअरे! अरे! पुरानी भाषा है, ज़िंदा रखो, ज़िंदा रखोफ्र। उपयोगी होगी तो ज़िंदा रहेगी। लोगों के काम की होगी तो ज़िंदा रहेगी।

अंग्रेज़ी का भी आप इतना फैलाव इसीलिए देख रहे हैं क्योंकि उससे लोगों को कुछ लाभ हो रहा है। क्या लाभ हो रहा है? रोज़गार मिल रहा है। हिंदी हो, चाहे तमिल हो, उससे भी अगर लोगों को लाभ होगा, तो ये भाषाएँ खूब फैलेंगी।

आप फिल्में देखने जाते हैं, वो फिल्में दिल को छू जाती हैं न? ये लाभ है न? तो इसीलिए भारत में जो फिल्म इंडस्ट्री है वो दुनिया की फिल्म इंडस्ट्रियों में बड़ी-से-बड़ी है। इसी तरीके से अगर अध्यात्म की भाषा हमारी मिट्टी की भाषाएँ रहेंगी तो लोगों को मजबूर होकर के हिंदी, तमिल, तेलुगू, बंगाली, पंजाबी सीखनी पड़ेंगी। लोग सीखेंगे। खासतौर पर बंगाल में तो कई उदाहरण रहें हैं जहाँ लोगों ने बंगाली सीखी इसलिए क्योंकि वो बंगाली का कोई उपन्यास पढ़ना चाहते थे। इसी तरीके से चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति का उदहारण है। जब यह छपे तो इतने प्रसिद्ध हुए कि

लोगों ने इन पुस्तकों को पढ़ने के लिए भाषा सीखी। अब भाषा की उपयोगिता है न कि तुम्हें यह भाषा आती है तभी तो तुम चद्रकांता पढ़ पाओगे? तो ऐसा कुछ करा तो जाए न हिंदी में कि जो इतना उपयोगी हो कि लोगों को हिंदी की ओर लौटना पड़े या हिंदी सीखनी ही पड़े। हिंदी में कुछ ऐसा होगा तो हिंदी अपने आप आगे बढ़ेगी, सब भाषाएँ बढ़ेंगी।

तो नारे लगाने से कुछ नहीं होगा, हिंदी पखवाड़ा मनाने से कुछ नहीं होगा, बार-बार ये कहने से नहीं होगा कि, फ्रचलो, हिंदी पढ़ें, राष्ट्र भाषा है, कि जन भाषा है, मातृभाषा हैफ्र। ये सब बोलने से कुछ नहीं होता। भाषा वही ज़िंदा रहती है जो काम की होती है। कुछ हिंदी में या तमिल में ऐसा करके दिखाइए जो मूल्य का हो, जो वज़न, कीमत का हो, फिर लोग अपने आप हिंदी और तमिल की ओर आकर्षित होंगे।

आप कहें, फ्रनहीं, स्कूलों में अनिवार्य कर दो क्षेत्रीय भाषा और हिंदी,फ्र तो उससे भी क्या होगा? लोग पढ़ लेंगे? उत्तर भारत में संस्कृत अनिवार्य रहती है छठी तक, आठवीं तक, कई बार दसवीं तक, लोग कुछ-कुछ करके संस्कृत का पर्चा पास कर लेते हैं। फिर? संस्कृत क्या उनकी भाषा बन पाती है?

इसी तरीके से आप हिंदी को सब तरफ अनिवार्य भी कर दीजिए, कोई लाभ नहीं होगा जब तक वो भाषा लोगों के, दोहरा रहा हूँ, उपयोग की ना हो, काम की ना हो। हिंदी के प्रचार में, प्रसार में अभी भी बॉलीवुड का बहुत बड़ा योगदान है। और ये भाषा फैल ही रही है, भारत की लगभग सभी क्षेत्रीय भाषाएँ फैल रही हैं। हालांकि, जो कुछ बहुत छोटी-छोटी भाषाएँ हैं, उन पर खतरा भी है। कुछ बहुत छोटी बोलियाँ, लिपियाँ मिट भी गई हैं। लेकिन फिर भी तक़रीबन जो ज़्यादा प्रचलित भाषाएँ हैं, वो ना सिर्फ बची हुई हैं बल्कि फैल रही हैं—भारत से बाहर भी फैल रही हैं, और उसकी बहुत बड़ी वजह सिनेमा है। वो लोगों के काम का है तो लोग कहते हैं भाषा आनी चाहिए। हम वो शिक्षा दे रहें हैं लोगों को जो लोगों के काम की है। इस शिक्षा का वाहन हिंदी को रखा है। ये शिक्षा आगे बढ़ेगी, इसका वाहन तो आगे बढ़ेगा ही साथ में।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं।

आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ

हृदय नारायण दीक्षित

आनंद अदृश्य है। आनंद दिखाई नहीं पड़ता। आनंदित दिखाई पड़ते हैं। आनंद प्रकृति सृष्टि का नियंता है। आनंद की अभिव्यक्ति सृजन में होती है। आनंदित व्यक्ति में गीत काव्य और कलाएं प्रकट होती हैं। प्रत्येक सामाजिक व्यवस्था का एक दर्शन होता है। आनंद हिन्दुत्व का प्रेय और श्रेय है। आनंद का भी एक दर्शन है। हिन्दू इसके दृष्टा हैं, हिन्दुत्व इसकी जीवन दृष्टि है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद का दर्शन भी है। ऋषि सृष्टि से इस दर्शन की शुरुआत करते हैं 'चेतन से आकाश का जन्म हुआ। आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी, पृथ्वी से वनस्पतियां औषधियां पैदा हुई। इनसे अन्न और अन्न से पुरुष पैदा हुआ। यह पुरुष अन्नमय है।'

भारतीय राष्ट्र जीवन में आनंदमय जीवन की अभिलाषा है। इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता भी है। यह संहिता हिन्दू धर्म है। इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधी जी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणा केन्द्र हिन्दुत्व है। संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है। भारत में यह सेक्युलरवाद के रास्ते हिन्दू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है। अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है। अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है। विज्ञान सत्य की खोज करता है। समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है। समाज इनका दुरुपयोग भी करता है। हिन्दू दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है। हिन्दू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है। समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है। विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवश्यकता है।

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। हिन्दू दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु-पक्षी, कीट-पतिंग भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है। लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है। वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिन्दुत्व है। हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं।

डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है क्ष्वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चन्द्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है। परंतु यह सब बहुत दूर की संभावनाएं हैं; जबकि अधिक संभावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों और अपनी मूर्खता व स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। संसार हम सबके आनंद लेने के लिए है।

यदि आजकल युद्ध यन्त्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें तो सबको आनंदमय बनाया जा सकता है।'

भारत का जीवन ध्येय आनंद है। केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी। सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते है। ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है। कला का आनंद गहरा है। लेकिन सत्य अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरुआत में कहते हैं, क्ष्सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति- अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।' बताते हैं, क्ष्मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हों। स्वस्थ हो। धन संपदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

आनंद के अनेक तल है। प्रथम तल के आनंद की सूची बताने के बाद कहते हैं कि इस तरह के 100 आनंदों से बड़ा आनंद मनुष्य गंधर्वाण आनंद है। गन्धर्व आनंद काव्य, संगीत, कला और संस्कृति का आनंद है। सांस्कृतिक प्रीति से भरे पूरे लोग साधारण आनंद से 100 गुना आनंद पाते हैं लेकिन यह आनंद अकामहत वेदवेत्ता को सहज प्राप्त है। मनुष्य गंधर्वाण आनंद से 100 गुना देव गंधर्वाण आनंद है। गीत-संगीत आदि कलाएं आनंददाता हैं। हिन्दू जीवन दृष्टि व संस्कृति इसे दिव्य बनाती है। कहते हैं कि क्ष्यह आनंद अकामहत वेदवेत्ता को सहज प्राप्त है।'

आगे बताते हैं कि इससे भी 100 गुना आनंद 'पितरों का चिरलोक आनंद' है। हम सब पितरों की संतान हैं। वे न होते तो हम न होते। यहां पितरों के प्रति श्रद्धा का आनंद है। यह आनंद भी कामना रहित वेदवेत्ता को सहज प्राप्त है। इसके बाद आजानज देव आनंद है। आजानज विशेष चित्त दशा है। इसकी तुलना में 100 गुना ज्यादा 'कर्म देवानां' आनंद है। कर्म देवानां आनंद लोकमंगल के लिए कर्म से मिलता है। सही बात है। श्रेष्ठ कर्म करते रहने का विशेष आनंद होता है। इसी तरह देवों का आनंद है। इन्द्र देवता का आनंद इससे 100 गुना ज्यादा है। फिर बृहस्पति का आनंद इससे भी 100 गुना है। क्या अपनी तरफ से हिन्दुत्व के आनंद को इसी सूची में नहीं जोड़ सकते?

आनंद की मीमांसा के सभी सूत्रों में हिन्दुत्व का प्रवाह है। युद्ध और हिंसा को धार्मिक तत्व बताने वाले निराश होंगे। इस सूची में जेहाद जैसा तत्व नहीं है। धर्मांतरण से पंथिक मजहबी तत्वों को आनंद मिलता है। इस आनंद मीमांसा में धर्मांतरण कराने का आनंद भी नहीं है। इन सूत्रों में सभी तरह के आनंद का विवेचन है लेकिन जोर कामना रहित वेदवेत्ता पर है। प्रत्येक सूत्र के अंत में कहा गया है कि क्ष्लेकिन यह आनंद अकामहत वेदवेत्ता को सहज प्राप्त है।' वेदवेत्ता स्वाभाविक रूप से आनंदित रहते हैं। वेदवेत्ताओं और वैदिक ऋषियों का दर्शन आनंदगोत्री है। आनंद उनका गोत्र है। प्रकृति में आनंद के तमाम स्रोत है। हिन्दुत्व में सबका समावेश है।

आनंद अदृश्य है। आनंद दिखाई नहीं पड़ता। आनंदित दिखाई पड़ते हैं। आनंद प्रकृति सृष्टि का नियंता है। आनंद की अभिव्यक्ति सृजन में होती है। आनंदित व्यक्ति में गीत काव्य और कलाएं प्रकट होती हैं। प्रत्येक सामाजिक व्यवस्था का एक दर्शन होता है। आनंद हिन्दुत्व का प्रेय और श्रेय है। आनंद का भी एक दर्शन है। हिन्दू इसके दृष्टा हैं, हिन्दुत्व इसकी जीवन दृष्टि है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद का दर्शन भी है। ऋषि सृष्टि से इस दर्शन की शुरुआत करते हैं 'चेतन से आकाश का जन्म हुआ। आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी, पृथ्वी से वनस्पतियां औषधियां पैदा हुई। इनसे अन्न और अन्न से पुरुष पैदा हुआ। यह पुरुष अन्नमय है।'

यहां आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी प्रकृति के 5 महाभूत हैं। चेतन इनसे पृथक पहला है। इसी तरह अन्न आदि बाद में हैं। बताते हैं कि अन्न प्राणियों का ज्येष्ठ है- क्ष्अन्नं हि भूतानां ज्येष्ठम। अन्नमय शरीर के भीतर प्राणमय शरीर है। प्राण ही वायु है।' प्राणमय शरीर के भीतर मनोमय कोष है। इसके भीतर विज्ञानमय कोष है। विज्ञानमय के संबंध में कहते हैं, विज्ञानमय कर्म क्षेत्र का विस्तारक है। सभी देवता विज्ञान की ज्येष्ठ ब्रह्म की तरह उपासना करते हैं। इसके भीतर आनंदमय कोष बताते है 'प्रिय उस आनंद का सिर है। मोद दक्षिण भाग है, प्रमोद उत्तरी भाग है।' आनंद वैदिक धर्म मीमांसा की प्रिय अनुभूति रहा है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

विचार मंथन

खस्ता होती आर्थिक हालत

सिद्धार्थ शंकर

पिछले दिनों अपने एक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेवड़ी यानी मुफ्त वाली योजनाओं की संस्कृति पर पीड़ा जाहिर करने के बाद अब राज्यों की अर्थव्यवस्था पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट में इस दोषपूर्ण नीति के कारण राज्यों की खस्ता होती आर्थिक हालत और गहराते ऋण संकट का जिक्र किया गया है। लोकलुभावन संस्कृति ने भारत की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को प्रभावित किया है। एक तरफ जहां मुफ्त बिजली के रूप में किसी न किसी रूप में सब्सिडी का वायदा किया जा रहा है, तो वहीं बिजली आपूर्ति करने वाली राज्यों की कंपनियों की बिगड़ती सेहत उनकी संभावनाओं को कमजोर कर रही है। क्या यह विडंबना नहीं है कि मुफ्त बिजली कभी-कभी सभी घरों, कभी वैकल्पिक, तो कभी आधे घरों को दी जाती है, बल्कि ये वादे तभी तक कायम रहते हैं, जब तक सरकार आर्थिक झंझावातों में नहीं फंसती और इस सुविधा को वापस लेने को मजबूर नहीं होती? दिल्ली सरकार की तरफ से बिजली सब्सिडी को वैकल्पिक बनाने का फैसला काफी हद तक बढ़ती लागत के कारण लिया गया था। आरबीआई ने बताया है कि पंजाब में मुफ्त बिजली का वायदा सतत विकास की ओर बढ़ने की उसकी क्षमता को कम करता है। कुछ उपभोक्ताओं के लिए कीमतें घटाने और कारोबारी संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों से अधिक शुल्क वसूलने से दरअसल प्रतिस्पर्धा कम होती है और इससे आय व रोजगार में सुस्ती आती है। इसी तरह, सौर

ऊर्जा को गंभीरता से प्रोत्साहित करने की बिजली वितरण कंपनियों की क्षमता उनकी आर्थिक स्थिति और दर-संबंधी संरचनाओं को विकसित न कर सकने जैसी रुकावटों से बाधित होती है। गैर-जीवाश्म ईंधन वाले युग की तरफ बढने की हमारी क्षमता राज्य बिजली बोर्डों की सेहत पर निर्भर है, लेकिन फ्रीबीज संस्कृति के कारण यह प्रभावित हो रही है। मुफ्त योजनाओं की ऐसी परिपाटी दीर्घावधि में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए महंगी साबित होती है। दूसरी प्रतिबद्धता, मोदी सरकार बुनियादी सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच सुनिश्चित करके विषमता की चुनौती से निपटना चाहती है। इन सुविधाओं में शामिल हैं-बैंकिंग, बिजली, आवास, बीमा, जल, स्वच्छ ईंधन आदि। इनकी असमानता दूर करने से हमारी आबादी की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। तीसरी प्रतिबद्धता, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान व जल जीवन अभियान जैसी कल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ ने आम नागरिकों की एक बड़ी बाधा खत्म कर दी है। यह बाधा थी, इन सुविधाओं को हासिल करने की लागत। इसके अलावा, ये लोगों को सशक्त व आत्मनिर्भर बना रही हैं। जैसे, पीएम आवास योजना के तहत बने घर लाभार्थी परिवार के लिए जीवन भर की संपत्ति है। चौथी प्रतिबद्धता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में तकनीक का इस्तेमाल। एसईसीसी के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान और वंचित सुविधाओं के मानदंड के आधार पर प्राथमिकता तय करने की परंपरा ने सरकार को उन लोगों की मदद करने में सक्षम बनाया है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूर है। जो सरकारें सार्वभौमिक सब्सिडी वाला शॉर्टकट अपनाती हैं, वे अक्सर गरीबों की अनदेखी करती हैं। दिल्ली में निचले तबकों के असंख्य परिवार पानी के कनेक्शन की कमी और दिल्ली जल बोर्ड की सीमित आपूर्ति के कारण पानी के लिए महंगे टैंकरों पर निर्भर हैं। इन घरों के लिए मुफ्त जल योजना का कोई मतलब नहीं है। विनिर्माण और रोजगार पर मुफ्त उपहारों का दुष्प्रभाव पड़ता है। यह कुशल और प्रतिस्पर्द्धी बुनियादी ढांचे से ध्यान भटकाकर विनिर्माण क्षेत्र की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्द्धात्मकता को कम करती है।

ब्लॉगर

सोशल मीडिया को असभ्यता का अड्डा बनने से रोकना होगा!

दीपक कुमार त्यागी

भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण आज़ादी प्रदान करता है, लेकिन कानून के दृष्टिकोण से देखा जाए तो इसके बहुत सारे अपवाद भी मौजूद हैं। आप अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर किसी भी दूसरे व्यक्ति की अवमानना नहीं कर सकते हैं, किसी भी दूसरे व्यक्ति के मान-सम्मान को ठेस नहीं पहुंचा सकते हैं, समाज में धार्मिक व जातिगत आधार पर किसी भी प्रकार की दुर्भावना व नफ़रत नहीं फैला सकते हैं। वैसे भी अभिव्यक्ति की आज़ादी का यह मतलब नहीं होता है कि आप देश में सर्वोच्च पदों पर आसीन लोगों के बारे में सोशल मीडिया के बेहद सशक्त प्लेटफार्म पर सार्वजनिक रूप से असंसदीय व असभ्य हैशटैग तक चलवाने का असभ्यता की पराकाष्ठा वाला कृत्य करो।

यहां आपको मैं याद दिला दूं कि जिस तरह से सोशल मीडिया के सशक्त माध्यम के दुरुपयोग का नमूना 24 जुलाई 2022 को भारतीय राजनीति के संदर्भ में पूरी दुनिया ने देखा है, वह बेहद शर्मनाक था। उसके संदर्भ में कहा जा सकता है कि यह दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में अंध भक्तों के भारी भीड़ के चलते एक ऐसे शर्मनाक दिन के रूप में दर्ज हो गया है, जब भारत के ही लोग अपने चुनें हुए संवैधानिक पदों पर आसीन जन प्रतिनिधियों के बारे गालियों का असभ्यता से परिपूर्ण हैशटैग बनाकर उसको खुद ही टॉप पर ट्रैंड करवाकर खुद अपनी पीठ थपथपा रहे थे।

हालांकि सरकार को व आईटी कंपनियों को मिलकर यह तय करना चाहिए कि इस तरह के कृत्य की भविष्य में फिर कभी पुनरावृति ना होने पाये। इन असभ्य हैशटैग ने ना केवल व्यक्तिगत रूप से बल्कि मोदी व केजरीवाल सरनेम वाले सभी लोगों की भावनाओं को आहत करने का कार्य किया है। देश की केन्द्रीय जांच एजेंसियों को तत्काल इन असभ्य हैशटैगों की शुरुआत करने वाले लोगों की पहचान करनी चाहिए और उन सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके इसके लिए जिम्मेदार सभी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे कि भविष्य फिर कोई व्यक्ति इस तरह की ओछी मानसिकता के द्वारा समाज में नफ़रत फ़ैलाने का व संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के बारे में ऐसे बेहूदगी भरे असभ्य शब्दों का उपयोग करने की जरूरत ना कर सकें।

*फ्र वैसे भी जिस तरह का दौर चल रहा है उसमें आज महात्मा गांधी के देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की हर हाल में रक्षा व राजनीतिक सुचिता को बनाएं रखना बेहद अहम हो गया है। इसलिए अब आवश्यक हो गया है कि देश के प्रत्येक छोटे-बड़े राजनेताओं व उनके राजनीतिक समर्थकों के द्वारा जिस तरह से एक दूसरे के प्रति सार्वजनिक रूप से आयेदिन बेहद बेहूदगी पूर्ण व असभ्य असंसदीय भाषा का उपयोग किया जाने लगा है वह सब तत्काल बंद होना चाहिए। इन लोगों को समझना चाहिए कि क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह की बेहद ओछी मानसिकता से परिपूर्ण विचार व राजनीतिक सोच पर अब लगाम लगनी चाहिए। क्योंकि इन चंद प्रभावशाली लोगों की एक-एक हरकतों को देश का आम जनमानस हूबहू कॉपी करके उपयोग करने का कार्य करता है, जिसके चलते सभ्य समाज में तेजी से असभ्यता बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है।फ्र

वैसे तो भारतीय कानून सोशल मीडिया पर लोगों को केन्द्र की मोदी सरकार, केजरीवाल व अन्य किसी भी सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा हक भी प्रदान करता है। क्योंकि कोई भी सरकार जब जनता से किये गये अपने वादों को पूरे नहीं करेगी या जनता उसके कार्यों से संतुष्ट नहीं होगी, तो आम जनमानस के पास उस सरकार पर जमकर हमला बोलने का कार्य करने का सबसे सरल माध्यम सोशल मीडिया ही है। लेकिन सभ्य समाज में हमेशा शब्दों की गरिमा का ध्यान रखना हम सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य व दायित्व है, सभ्य समाज में किसी भी व्यक्ति को असभ्यता करके उद्दंडता पूर्ण व्यवहार करने का अधिकार नहीं है, किसी की भावनाओं से खिलवाड़ करने का अधिकार नहीं है।

हम सभी लोगों को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया अपने विचारों को दुनिया तक पहुंचाने का आज सबसे सशक्त व तेज प्लेटफॉर्म बन गया है। हम लोगों को इसका सकारात्मक उपयोग करते हुए देश, समाज, परिजनों व अपने हित में सदुपयोग करना चाहिए, ना कि सोशल मीडिया के द्वारा हम लोग समाज में असभ्य व नफ़रती जहरीली सोच को फ़ैलाने के लिए प्रयोग करें। आज के व्यवसायिक दौर में यह हम सभी लोगों की व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने वाली सभी कंपनियों की बेहद अहम जिम्मेदारी है कि सोशल मीडिया पर ऐसा तालमेल बनाएं कि लोगों की अभिव्यक्ति की आज़ादी के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सदभाव की व्यवस्था भी पूर्णतः बरक़रार रहे।

वैसे भी हम लोगों को सोशल मीडिया पर वायरल हो रही बातों को लेकर सचेत रहना होगा, उस पर आंख बंद करके विश्वास करने से बचना होगा, हमें यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया की तरह कोई एडिटर नाम की चीज़ नहीं होती है, जिससे कि गलत, भ्रामक, असभ्य व अश्लील तथ्यों को प्रकाशित होने से रोका जा सके या उसके लिए कंपनी के किसी व्यक्ति विशेष की जवाबदेही तय की जा सके। वैसे भी दुनिया में सोशल मीडिया का प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने वाली आईटी कंपनियों को आईटी एक्ट के तहत बहुत सारी ज़िम्मेदारियों से छूट मिली हुई है, जिसके चलते वह केवल अपनी कंपनी का लाभ बढ़ाने में लगे रहते हैं और खर्च से बचने के लिए सोशल मीडिया के इस बड़े प्लेटफॉर्म को अभिव्यक्ति की आज़ादी की आड़ में फ्री छोड़ देते हैं। जिसके चलते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ग़लत कार्यों के लिए धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है, षड्यंत्रकारी लोग विभिन्न फ़ज़ी नामों से आईडी बना कर सोशल मीडिया के माध्यम से अपना ग़लत अनैतिक मकसद पूरा करते हैं और बड़े पैमाने पर लोग पोस्ट को लाईक, कमेंट व शेयर करके अंजाने में उनका सहयोगी बन जाते हैं।

आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने वाली आईटी कंपनियों को यह समझना होगा कि अगर इस तरह से ही उनके प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता, नफ़रती व जहरीली सोच और असभ्यता का प्रचार-प्रसार होता रहा तो वह दिन दूर नहीं है जब सभ्य समाज के अधिकांश सभ्य लोग सोशल मीडिया से पूरी तरह से किनारा करने लगेंगे।।

क्रांति समय
सोमवार 08-अगस्त-2022
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिड़ला कॉरपोरेशन का मुनाफा घटकर 62 करोड़ रहा

नई दिल्ली । एमपी बिड़ला समूह की कंपनी बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 56.24 प्रतिशत घटकर 61.92 करोड़ रुपए हो गया। बीती तिमाही में बिजली, ईंधन एवं मालढुलाई की लागत बढ़ने से उसके मुनाफे पर असर पड़ा है। कंपनी ने बीएसई को दी गई एक सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका मुनाफा 141.51 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि कंपनी का परिचालन राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 2,203.76 करोड़ रुपए हो गया जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,749.11 करोड़ रुपए रहा था। बिड़ला कॉरपोरेशन का आलोच्य तिमाही में कुल खर्च 2,129.27 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले की समान अवधि के 1,567.83 करोड़ रुपए की तुलना में 35.81 प्रतिशत अधिक है। सीमेंट कारोबार से राजस्व 2,100.29 करोड़ रुपए रहा जबकि जूट कारोबार से उसे 103.19 करोड़ रुपए का राजस्व मिला।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इसका असर भारत पर भी हो रहा है। देश की सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के चारों महानगरों समेत सभी प्रमुख शहरों में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राजधानी दिल्ले ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और मुंबई में 106.31 रुपए लीटर बिक रहा है। डीलर्स का कहना है कि क्रूड के भाव अगर ऊपर जाते हैं तो कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दाम दोबारा बढ़ा सकती हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

केनरा बैंक से लोन लेना हुआ महंगा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद अन्य बैंकों ने भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर दिया है। लोगों को अब ज्यादा ईएमआई का भुगतान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने भी ब्यादज दर बढ़ाकर 8.30 प्रतिशत कर दिया है। नई दरें 7 अगस्त से लागू हो गई है। जिससे केनरा बैंक से होम, ऑटो, पर्सनल सहित सभी तरह का लोन लेना पहले से ज्यादा महंगा हो गया है। इसके अलावा ऐसे लोग जिन्होंने पहले से लोन लिया है, उन ग्राहकों को अब ज्यादा ईएमआई देनी होगी। केनरा बैंक का यह ऐलान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बढ़ाई गई रेपो रेट के बाद आया है। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो रेट को 0.5 फीसदी बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया है। यह रेपो रेट का 3 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे कर्ज की मासिक किस्त बढ़ेगी. साथ ही मौद्रिक नीति समिति ने नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देने का भी निर्णय किया है। केनरा बैंक के मुताबिक आम ग्राहकों के लिए होम लोन पर ब्याज दर को बढ़ाकर 8.10 फीसदी किया जाएगा। वहीं महिला ग्राहकों के लिए इसे बढ़ाकर 8.05 फीसदी किया जाएगा। केनरा बैंक महिला कर्जदारों को 0.05 फीसदी की छूट देता है।

स्कॉर्ट्स कुबोटा समूह ने कहा- ब्याज दरें बढ़ने से ट्रैक्टर की मांग पर असर नहीं

नई दिल्ली । एस्कॉर्ट्स कुबोटा समूह के एक अे धिकारी ने कहा कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से ट्रैक्टर की मांग पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है, हालांकि उच्च मुद्रास्फीति एक चिंता का विषय है, जो बिक्री को प्रभावित कर सकती है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी होने का अनुमान है। ऐसा पिछले साल के उच्च आधार प्रभाव के कारण हो सकता है। ट्रैक्टर उद्योग का मानना है कि चौथी तिमाही से बिक्री में तेजी आएगी और उद्योग एक अंकों की निम्न से मध्यम वृद्धि दर्ज कर सकता है।वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से ट्रैक्टर की बिक्री पर क्या असर पड़ सकता है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा एक कृषि उपकरण विनिर्माता है। उन्होंने कहा` कि यदि आप ट्रैक्टरों के लिए ऋण को देखें तो ब्याज दर बहुत अधिक है। ये दरें आरबीआई की ओर से होने वाले बदलावों के साथ नहीं चलती हैं। इस समय ट्रैक्टर ऋण पर ब्याज दर नौ प्रतिशत से लेकर 20 प्रतिशत प्रति वर्ष तक हो सकती है, जो ऋण की अवधि और बैंकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर की मांग मुद्रास्फीति से अधिक प्रभावित होगी, लेकिन आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि का मामूली प्रभाव ही होगा।

सुजुकी ने 2023 वैगनआर फेसलिफ्ट से पर्दा उठाया

- बेहद शानदार दिख रही कार, कई फीचर्स से है लैस

नई दिल्ली ।

सुजुकी कंपनी ने 2023 वैगनआर फेसलिफ्ट से पर्दा उठाया है। भारत में इस साल फरवरी में लॉन्च हुई यह कार 2022 वैगनआर फेसलिफ्ट के रिप्लेस मॉडल के रूप में लॉन्च किया जाएगा। नई वैगनआर फेसलिफ्ट के डिजाइन में सभी एंगल पर बदलाव देखने को मिलेंगे। हैचबैक के सामने की पट्टी में एक नया डिजाइन किया गया फ्रंट बम्पर है, जो अब ज्यादा वर्टीकल स्पेस और फ्रंट ग्रिल को कवर करता है। हेडलाइट पिछले मॉडल की तरह ही है। साइड प्रोफाइल में बदलाव किया गया है। कार की खिड़कियों का फ्रेम डिजाइन बदला हुआ है। नई कार के दरवाजे मौजूदा मॉडल से काफी अलग दिखते हैं।नई वैगनआर की रियर प्रोफाइल की बात करें तो इसमें अब टेल लाइट्स को ज्यादा नीचे शिफ्ट कर दिया गया है, जो कार को एक यूनिक लुक देता है। नई वैगनआर कुछ नए शेड्स के साथ कुल 10 कलर ऑप्शन में उतारी जाएगी। इसमें टेराकोटा पिंक मैटेलिक, डस्क ब्लू मैटेलिक और फॉगी ब्लू पर्ल मेटैलिक नए ऑप्शन शामिल होंगे। वैगनआर फेसलिफ्ट में 660सीसी 3-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो केवल पेट्रोल और माइल्ड हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ आता है।

पावरट्रेन को 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

कार दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ चार-पहिया-ड्राइव विकल्प के साथ भी आती है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान में वैगनआर फेसलिफ्ट की कीमत करीब 7.22 लाख रुपये से 8.96 लाख रुपये के बीच है। सेफ्टी फीचर्स में अपडेट में फ्रंट और कर्टेन एसआरएस एयरबैग, अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और व्हीकल स्पीड ट्रैकिंग शामिल हैं। इसमें फर्स्ट-इन-सेगमेंट पेडेस्ट्रियन डिटेक्शन और लेन डिपार्चर सप्रेशन फीचर्स भी हैं। कुछ को छोड़कर, हैचबैक के सभी वेरिएंट में सभी सेफ्टी फीचर्स स्टैंडर्ड के तौर पर पेश किए जाएंगे।

सुजुकी कंपनी ने इस हैचबैक को एक नया डिजाइन, अपग्रेड इंटीरियर और कई नए फीचर्स के साथ अपडेट किया है।

महाराष्ट्र में इथेनॉल उत्पादन 140 करोड़ लीटर पहुंचने की संभावनाः चीनी उद्योग

औरंगाबाद । महाराष्ट्र में इथेनॉल का उत्पादन अगले वर्ष 140 करोड़ लीटर तक पहुंचने की संभावना है। चीनी उद्योग के प्रतिनिधियों ने यह जानकारी दी। नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि भविष्य में गन्ने से संबंधित ईंधन की मांग भोजन से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि इसलिए महाराष्ट्र में चीनी उद्योग को आने वाले समय में ऊर्जा उद्योग भी कहा जाएगा। इथेनॉल चीनी मिलों का उप-उत्पाद है। इसका उत्पादन चक्र एक दिसंबर से 30 नवंबर तक है। राज्य सहकारी चीनी मिल संघ के एक प्रतिनिधि के अनुसार 2020-21 में महाराष्ट्र ने 78 प्रतिष्ठानों के माध्यम से 100.36 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने दिसंबर 2021 से अब तक 75.88 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया है और इस साल 30 नवंबर तक 85 प्रतिष्ठानों के माध्यम से 116 करोड़ लीटर तक उत्पादन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगले साल उत्पादन 130 से 140 करोड़ लीटर तक पहुंच जाने की संभावना है।

बांग्लादेश में उच्च स्तर पर पहुंची पेट्रोल और डीजल की कीमतें

ढाका । बांग्लादेश में पेट्रोल की कीमतों में 51.7 फीसदी और डीजल की कीमत में 42 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी गई है। इससे बांग्लादेश में महंगाई और बढ़ने के आसार हैं। हालांकि, ईंधन में मूल्य वृद्धि से बांग्लादेशी सरकार पर सब्सिडी का बोझ कम हो जाएगा। बांग्लादेश पिछले कुछ वर्षों से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। मौजूदा समय में इसकी अर्थव्यवस्था 416 अरब डॉलर की है। बांग्लादेश ने महंगाई से निपटने के लिए आईएमएफ समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लोन लिया है। दरअसल, दुनियाभर में बढ़े वस्तुओं के दाम ने बांग्लादेश का आयात बिल बढ़ा दिया है जिसकी वजह से अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है। इस मूल्य वृद्धि के बाद बांग्लादेश में एक लीटर पेट्रोल अब 130 टका (बांग्लादेशी करेंसी) और डीजल 114 टका का मिलेगा। 1971 में आजादी के बाद पहली बार कीमतें इस स्तर पर पहुंची हैं। बांग्लादेश सरकार ने एक बयान में कहा है कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से ईंधन का मूल्य वृद्धि जरूरी हो गई थी। सरकार के अनुसार, पिछले 6 महीने में सरकारी तेल कंपनी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन को 8 अरब टका का घाटा हुआ है। बांग्लादेश के ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्री नसरूल अहमद ने कहा है कि नई कीमतें बेशक सभी के लिए असहनीय होंगी लेकिन सरकार के पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को धैर्य बरतना होगा। बकौल नसरूल, जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटेंगी उसके अनुरूप देश में भी ईंधन की कीमत घटा दी जाएगी।

डॉलर इंडेक्स में नरमी के बाद भी एफपीआई ने एक हफ्ते में खरीदे 14,000 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली ।

पिछले महीने शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद, विदेशी निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी पर अपना सकारात्मक रुख जारी रखा और डॉलर सूचकांक में नरमी के बीच अगस्त के पहले सप्ताह में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। शेयर बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि यह पूरे जुलाई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा किए गए लगभग 5,000 करोड़ रुपए के शुद्ध निवेश से कहीं अधिक था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लगातार नौ महीनों के पूंजी के भारी ऑउटफ्लो के बाद जुलाई में इक्विटी की जमकर खरीदारी की थी। उल्लेखनीय है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बिकवाली का सिलसिला पिछले साल अक्टूबर से शुरू हुआ था। अक्टूबर 2021 और जून 2022 के बीच उन्होंने भारतीय इक्विटी बाजारों में 2.46 लाख करोड़ रुपये की भारी बिक्री की। यस सिक्योरिटीज के इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के लीड एनालिस्ट हितेश जैन ने कहा अगस्त के दौरान एफपीआई प्रवाह सकारात्मक रहने की उम्मीद है, क्योंकि रुपये के लिए सबसे खराब स्थिति करीब-करीब खत्म हो गई है और कच्चे तेल की कीमत भी एक सीमा में बनी हुई है।

इसके अलावा कंपनियों का नेट प्रॉफिट भी मजबूत बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 14,175 करोड़ रुपए का निवेश किया। एफपीआई द्वारा रणनीति में बदलाव ने बाजार की हालिया तेजी को और मजबूती प्रदान की है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा डॉलर इंडेक्स का पिछले महीने के 109 के उच्च स्तर से 106 तक आना एफपीआई प्रवाह का प्रमुख कारण है। यह प्रवृत्ति जारी रह सकती है। वहीं मॉर्निंगस्टार इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इन सभी बातों के अलावा यूएस फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की यह टिप्पणी कि वर्तमान में अमेरिका मंदी में नहीं है, ने वैश्विक स्तर पर जोखिम की भावना को कम करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों में हालिया सुधार ने भी खरीदारी का अच्छा अवसर प्रदान किया है और एफपीआई उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों को चुनकर इसका फायदा उठा रहे हैं।

वे पूंजीगत सामान, एफएमसीजी, निर्माण और बिजली जैसे क्षेत्रों में खरीदार बन गए हैं।

कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक संकेतों से तय होगी इस हफ्ते बाजार की चाल

शेयर बाजार मुहर्रम के मौके पर मंगलवार को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के विश्लेषकों के अनुसार, इस हफ्ते शेयर बाजार का रुख कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक संकेतों से तय होगा। अगला सप्ताह छुट्टियों के कारण सामान्य कारोबारी दिनों के लिहाज से थोड़ा छोटा रहेगा। शेयर बाजार मुहर्रम के मौके पर मंगलवार को बंद रहेंगे। विश्लेषकों के अनुसार विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। स्वास्तिका इंवेस्टमार्ट लिमिटेड के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा इस सप्ताह बाजार का सामना तिमाही आय के अंतिम चरण से होगा। बाजार को एसबीआई, एचपीसीएल और बीपीसीएल के नतीजों पर प्रतिक्रिया करनी है। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, कोल इंडिया, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को, ग्रासिम, हीरो मोटोकॉर्प, एलआईसी, ओएनजीसी और बाटा इंडिया के परिणाम भी आगामी सप्ताह में आएंगे। उन्होंने कहा बाजार के लिए वैश्विक संकेत महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि भू-राजनीतिक चिंताएं बढ़ रही हैं। विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर होगी। भारत 12 अगस्त को अपने सीपीआई और आईआईपी आंकड़ों की घोषणा करेगा। अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े 10 अगस्त को आएंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा चीन-ताइवान तनाव के और बढ़ने से बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। आंकड़ों के लिहाज से आईआईपी और सीपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 अगस्त को आने हैं। उधर, हमेशा की तरह डॉलर इंडेक्स का भी भारत के इक्विटी बाजार में निवेश पर असर पड़ेगा। इसके अलावा यूके और यूरोपीय क्षेत्र के औद्योगिक आंकड़ें इस हफ्ते आने हैं। देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ ने पिछले सप्ताह अपने बाजार मूल्यांकन में 98,234.82 करोड़ रुपए जोड़े। केवल एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के मूल्यांकन में ही गिरावट आई। इस अवधि में सर्वाधिक लाभ इंफोसिस (28,170.02 करोड़ रुपए) और टीसीएस (23,582.58 करोड़ रुपए) रहा। भारत के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 6,068 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। हालांकि, यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 6.7 फीसदी कम है। वहीं, बैंक की नेट इंटरस्ट इनकम (एनआईआई) में इजाफा हुआ है। बैंक की एनआईआई 12.87 फीसदी बढ़कर 31,196 करोड़ रुपए हो गई तो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 27,638 करोड़ रही थी।

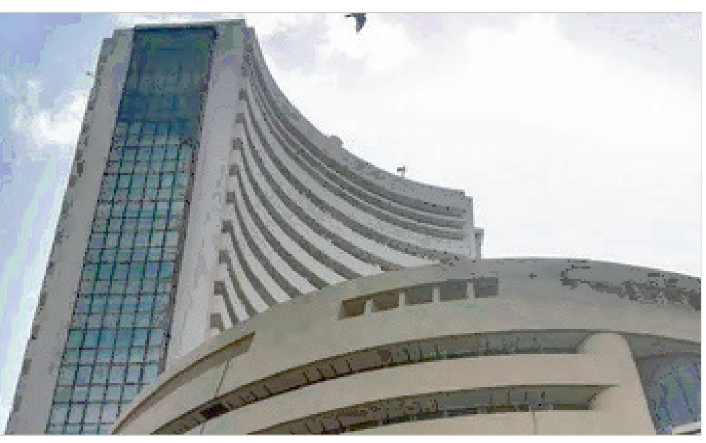

नया टू-व्हीलर रीसेल प्लेटफॉर्म लॉन्च

-ज्यादा कीमत पर बेच सकेंगे पुराना टू-व्हीलर

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने व्हील्स ऑफ ट्रस्ट नाम से एक नया टू-व्हीलर रीसेल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इस प्लेटफॉर्म पर आपक पुराने टू-व्हीलर के लिए सबसे अच्छी कीमत मिलेगी।

नए प्लेटफॉर्म को फिजिटल अवतार में लॉन्च किया गया है। इसका मतलब यह है कि प्लेटफॉर्म डिजिटल और ऑन-ग्राउंड दोनों पर काम करेगा। इसलिए यह एक ओमनी-चैनल होगा। हीरो मोटोकॉर्प का लक्ष्य किसी भी ब्रांड के मौजूदा टू-व्हीलर को एक्सचेंज करने के लिए अपने वन-स्टॉप समाधान को मजबूत करना है। व्हील्स ऑफ ट्रस्ट को एक डीआईवाय या डू इट योरसेल्फ के रूप में बनाया गया है, जिसे ग्राहक अपने मोबाइल फोन या पर्सनल कंप्यूटर पर खोल सकते हैं। निर्माता ने 900 से अधिक चैनल भागीदारों के साथ भागीदारी की है, जो ग्राहकों की सहायता करेंगे। प्लेटफॉर्म अब तक 5 लाख से अधिक ग्राहकों को सर्विस दे चुका है।

अब, फिजिटल अवतार के साथ, ग्राहकों के लिए नई वेबसाइट के जरिए अपने पुराने टू-व्हीलर को बेचना और भी आसान होगा। ग्राहक को इस वेबसाइट पर राज्य, शहर, टू-व्हीलर वाहन का प्रकार, निर्माता का नाम, मॉडल नंबर और रजिस्ट्रेशन डेट और साल भरना होगा।

फिर वेबसाइट मोटरसाइकिल की स्थिति से जुड़ी कुछ जानकारी पूछी जाएगी। आखिर में ग्राहक को अपनी जानकारी भरनी होगी। हीरो मोटोकॉर्प ने हाल ही में भारतीय बाजार में सुपर स्प्लेंडर कैनवास ब्लैक एडिशन लॉन्च किया है।

नया हीरो सुपर स्प्लेंडर कैनवस ब्लैक एडिशन ऑल-ब्लैक कलर के साथ आता है। इसके फ्यूल टैंक पर क्रोम 'सुपर स्प्लेंडर' बैज भी दिया गया है।

कंपनी ने हेडलाइट के पास और एग्जॉस्ट हीट शील्ड पर क्रोम एलिमेंट्स भी जोड़े हैं। ये बदलाव एंट्री-लेवल मोटरसाइकिल के कलर ऑप्शन तक सीमित हैं।

सुपर स्प्लेंडर का नया ब्लैक एडिशन दो वेरिएंट- ड्रम और डिस्क में उपलब्ध है और इसकी कीमत क्रमशः 77,430 रुपये और 81,330 रुपये है। ग्राहक हीरो मोटोकॉर्प ईशॉप पर नई मोटरसाइकिल की ऑनलाइन प्री-बुकिंग कर सकते हैं।

फेडरल बैंक में जमा खातेदारों को अब मिलेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के फेडरल बैंक ने अपने जमा खातेदारों की ब्याज दरों को वृद्धि की है। बैंक का यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में वृद्धि के बाद आया है। बैंक का कहना है कि उसके बचत खाते पर ब्याज दर रेपो रेट से संबंधित है इसलिए ब्याज बढ़ाया गया है। बढ़ी हुई दरें आज यानी 6 अगस्त से लागू हो गई हैं।

बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। 5 करोड़ रुपये या उससे कम के बचत खाते पर बैंक की ब्याज दर आरबीआई की रेपो रेट से 2.40 फीसदी नीचे रहती है। इसके अनुसार, बचत खाते पर अब ग्राहकों को 3 फीसदी का ब्याज मिलेगा। वहीं, 5 करोड़ रुपये से अधिक का बचत खाता होने पर शुरुआती 1 लाख रुपये पर रेपो रेट से 2.40 फीसदी कम ब्याज दर मिलेगी लेकिन शेष राशि पर रेपो रेट से केवल 1.15 फीसदी कम ब्याज दर दी जाएगी। इसका मतलब है कि शेष राशि पर 3.35 फीसदी का ब्याज मिलेगा। गौरतलब है कि आरबीआई ने 0.50 फीसदी की वृद्धि करते हुए रेपो रेट को 5.40 फीसदी तक पहुंचा दिया है। बैंक ने कहा है कि हर दिन के अंत में बचत खाते में जो राशि होगी उस पर ब्याज की गणना की जाएगी लेकिन ब्याज हर तीन महीने पर खाताधारक को दिया जाएगा। फेडरल बैंक ने इससे पहले जून में भी सेविंग्स अकाउंट पर ब्याज बढ़ा दिया था। बता दें कि मई और जून में आरबीआई ने लगातार 2 बार रेपो रेट बढ़ाकर उसमें 0.90 फीसकी की वृद्धि की थी।

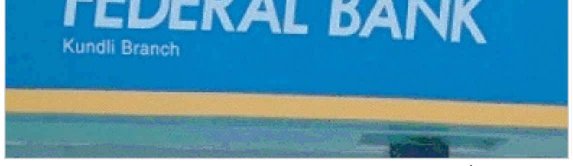

सेबी ने अप्रैल और जून में 28 आईपीओ लॉन्च को दी अनुमति

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल और जून माह में 28 आईपीओ को लॉन्च की मंजूरी दी है। इन आईपीओ के जरिए ये कंपनियां कुल 45,000 करोड़ रुपए बाजार से जुटाने की योजना बना रही हैं। जिन कंपनियों ने आईपीओ लाने के लिए नियामक की मंजूरी हासिल की है, उनमें लाइफस्टाइल रिटेल ब्रांड फैबइंडिया, एफआईएच मोबाइल्स और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी समूह की सहायक कंपनी- भारत एफआईएच, टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्युशंस, ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस और मैकलियोड्स फार्मास्युटिकल्स एंड किड्स क्लिनिक इंडिया शामिल हैं। मर्चेंट बैंकरों ने कहा कि इन कंपनियों ने अभी तक अपने आईपीओ लाने की तारीख घोषित नहीं की है और इसके लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की मौजूदा स्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। आनंद राठी इनवेस्टमेंट बैंकिंग के निदेशक और इक्विटी पूंजी बाजार के प्रमुख प्रशांत राव ने कहा मौजूदा माहौल बेहद चुनौतीपूर्ण है और जिन कंपनियों के पास मंजूरी है, वे आईपीओ लाने के लिए सही वक्त का इंतजार कर रही हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार कुल 28 कंपनियों ने अप्रैल-जुलाई 2022-23 के दौरान आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने के लिए नियामक की मंजूरी हासिल की। चालू वित्त वर्ष में अब तक 11 कंपनियां आईपीओ के जरिए 33,254 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं। इसमें एक बड़ा हिस्सा (20,557 करोड़ रुपए) एलआईसी के आईपीओ का था। गौरतलब है कि बाजार की स्थिति के कारण मई के बाद इस साल एक भी आईपीओ नहीं आया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 52 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए रिकॉर्ड 1.11 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। हालांकि, इनमें से कई शेयर औंधे मुंह गिरे और आईपीओ को लेकर निवेशक अब बहुत अधिक सतर्क हो गए हैं। जोमैटो व पेटीएम जैसे बड़े नामों में निवेशकों को अपने नाम की ही तरह बड़े स्तर पर निराश भी किया। इसका असर इस साल एलआईसी के आईपीओ पर भी पड़ा, एलआईसी के शेयर अभी तक गिरावट से रिकवर नहीं कर पाए हैं।

तिलहन बाजारों की साप्ताहिक समीक्षा) विदेशी बाजारों में गिरावट से खाने के तेल-तिलहन के दाम टूटे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेलों के दाम टूटने की वजह से देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तेल सहित लगभग सभी तेल तिलहन कीमतों में हानि दर्ज हुई। बाकी तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि आयातित खाद्य तेलों के सस्ता होने से बीते सप्ताह तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई। सूत्रों के मुतो बिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 75 रुपए की हानि के साथ 7,215-7,265 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 200 रुपए की गिरावट के साथ 14,600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 30-30 रुपए टूटकर क्रमशः 2,310-2,390 रुपए और 2,340-2,455 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 90-90 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 6,360-6,435 रुपए और 6,135-6,210 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 350 रुपए की गिरावट के साथ 13,250 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 150 रुपए टूटकर 13,150 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 300 रुपए गिरावट के साथ टूटकर 11,950 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। महंगा होने की वजह से मांग प्रभावित होने से मूंगफली तेल-तिलहनों में भी गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपए टूटकर 6,870-6,995 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 120 रुपए की गिरावट के साथ 16,000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 20 रुपए की हानि के साथ 2,670-2,860 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 150 रुपए घटकर 11,150 रुपए क्विंटल रह गया। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपए घटकर 13,200 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 100 रुपए घटकर 12,100 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रमंडल खेल : अमित पंघाल ने बॉक्सिंग में भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

(एजेंसी) ।

राष्ट्रमंडल खेलों में अमित पंघाल ने पुरूषों के फ्लाईवेट (48-51 किग्रा) वर्ग में इंग्लैंड के कियारन मैकडोनाल्ड को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया है। उन्होंने मैकडोनाल्ड को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले नीतू गंघास ने महिला 48 किग्रा फाइनल में मेजबान इंग्लैंड की मुक्केबाज डेमी जेड को मात देकर स्वर्ण जीता था। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मेडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउंड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचाईं। दूसरे राउंड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया। गौर हो कि भारत ने अब तक 15 गोल्ड, 11 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज मेडल सहित 43 पदक अपने नाम कर लिए हैं।

राष्ट्रमंडल खेल : भारत ने 16 साल बाद महिला हॉकी में जीता पदक, न्यूजीलैंड को शूटआउट में हराया

बर्मिंघम ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को न्यूजीलैंड को शूटआउट में मात देकर 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक मैच में न्यूज़ीलैंड को 1-1 (शूटआउट में 2-1) से हराकर कांसे का तमगा अपने नाम किया। सलीमा टेटे (29') ने भारत का एकलौता गोल किया, जबकि कीवी टीम की ओर से ओलिविया (59') ने गोल किया। शूटआउट में भारत के लिए सोनिका और नवनीत ने गोल किए। मैच का पहले क्वार्टर में भारत ने न्यूजीलैंड पर दबदबा बनाया मगर कीवी गोलकीपर ने भारत को खाता नहीं खोलने दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रवैया बरकरार रखा और जब हाफ टाइम में दो मिनट का समय बचा था तब सलीमा टेटे ने गेंद को नेट तक पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी। मैच के तीसरे क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड मैच को बराबरी पर लाने के लिये आतुर थी। जब क्वार्टर-3 की समाप्ति में सिर्फ दो मिनट बचे थे तब न्यूजीलैंड ने एक गोल किया भी, मगर भारत के वीडियो रेफरल के बाद उसे अमान्य घोषित कर दिया गया। भारत मैच के 58वें मिनट तक 1-0 से आगे चल रहा था और कांस्य पदक से एक हाथ की दूरी पर था कि तभी लालरेमसियामी को येलो कार्ड मिला और फील्ड पर सिर्फ 10 भारतीय खिलाड़ी रह गये। ज्यादा खिलाड़ियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने भारतीय हाफ में जगह बना ली। यहां पहले कीवियों को पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसके उपयोग से न्यूज़ीलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया। भारत को सेमीफाइनल मैच के शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से मात मिली थी, और यह मैच भी शूटआउट में जा चुका था। न्यूजीलैंड ने पहले प्रयास में स्कोर किया जबकि भारत असफल रहा, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया। यहां भारत की अगुवाई करते हुए

कप्तान सविता पूनिया ने न्यूजीलैंड के अगले चारों प्रयास रोके, जबकि सोनिका और नवनीत ने एक-एक गोल करके भारत को 2-1 से जीत दिलायी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक जीता है। इससे पहले मैनचेस्टर 2006 खेलों में भारत ने महिला हॉकी का रजत पदक जीता था।

राष्ट्रमंडल खेल : निकहत जरीन ने बॉक्सिंग में भारत को दिलाया तीसरा गोल्ड

(एजेंसी)।

महिलाओं का 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में जीत दर्ज करते हुए निकहत जरीन ने भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया है। जरीन ने उत्तरी आयरलैंड की कार्ली को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सिंग में महिला 48 किग्रा वर्ग में नीतू और पुरुषों के 51 किग्रा वर्ग में अमित पंघाल ने भारत को गोल्ड दिलाया था। इसी के साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 48 हो गई है। निकहत जरीन ने शुरूआत से ही शानदार खेल दिया और पूरे जोश और होश के साथ कार्ली पर हावी रही। उन्होंने पहले दौर के बाद सर्वसम्मत बढ़त बनाई और स्कोर 10-9 से उनके पक्ष में था। दूसरे दौर में भी जरीन ने अपना दबदबा बनाए रखा जो तीसरे राउंड तक चला। उन्होंने दूसरे और तीसरे राउंड में भी 10-9 का स्कोर किया। इसी के साथ ही उनका कुल 5-0 रहा और जीत अपने नाम की।

राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली पहली महिला भाला फेंक खिलाड़ी बनी अन्नू रानी, जीता ब्रॉन्ज मेडल

बर्मिंघम । अनु रानी ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली देश ही पहली महिला भाला फेंक खिलाड़ी बन गईं। रानी ने अपने तीसरे प्रयास में 60 मीटर दूर भाला फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया। विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की केलसे ली बार्बर ने 64.43 मीटर के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी हमवतन मैकेंजी लिटिल 64.27 मीटर के थ्रो से दूसरे स्थान पर रहीं। रानी से पहले राष्ट्रमंडल खेलों में काशीनाथ नायक और ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा पुरूषों की भाला फेंक स्पर्धा में क्रमशः कांस्य और स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। नायक ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में जबकि चोपड़ा ने 2018 गोल्ड कोस्ट में पदक जीते थे।

राष्ट्रमंडल खेल : पीवी सिंधू ने पक्का किया मेडल, फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को यहां लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाकर स्वर्ण पदक की ओर कदम बढ़ाए। भारत की 27 साल की खिलाड़ी ने अपने बेहतर तकनीकी खेल की बदौलत सिंगापुर की यिओ जिया मिन को 49 मिनट चले मुकाबले में 21-19 21-17 से हराया। राष्ट्रमंडल खेले 2014 और 2018 में महिला एकल में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीतने वाली सिंधू साफ तौर पर दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच बेहतर खिलाड़ी थीं। सिंधू के बाएं पैर में हालांकि पट्टी बंधी थी जिससे उन्हें मूवमेंट में थोड़ी परेशानी हो रही थी। सिंगापुर की खिलाड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 8-4 की बढ़त बनाई लेकिन सिंधू ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। सिंधू ने ड्रॉप शॉट से अंक जुटाकर ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली थी। यिओ जिया मिन ने इसके बाद कई गलतियां करते हुए सिंधू को अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका दिया जिससे भारतीय खिलाड़ी ने 19-12 की बढ़त बना ली। सिंगापुर की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-19 किया लेकिन इसके बाद नेट पर शॉट उलझा बैठी जिससे सिंधू को तीन गेम प्वाइंट मिले। यिओ जिया मिन ने दो गेम प्वाइंट बचाए लेकिन सिंधू ने तीसरे पर अंक जुटाकर गेम जीत लिया। यिओ जिया मिन ने दूसरे हाफ में भी बेहतर शुरुआत की। सिंधू ने हालांकि लगातार पांच अंक के साथ बराबरी हासिल कर ली।

सिंधू स्मैश के साथ ब्रेक तक बढ़त बनाए हुए थी। सिंगापुर की खिलाड़ी ने इसके बाद शॉट बाहर मारा और एक शॉट नेट पर उलझाया जिससे सिंधू फाइनल में जगह बनाने से सिर्फ दो अंक की दूरी पर पहुंच गईं। सिंधू को पांच मैच प्वाइंट मिले जिसमें से उन्होंने दो गंवाए लेकिन फिर दमदार स्मैश के साथ फाइनल में जगह बनाई।

संक्षिप्त समाचार

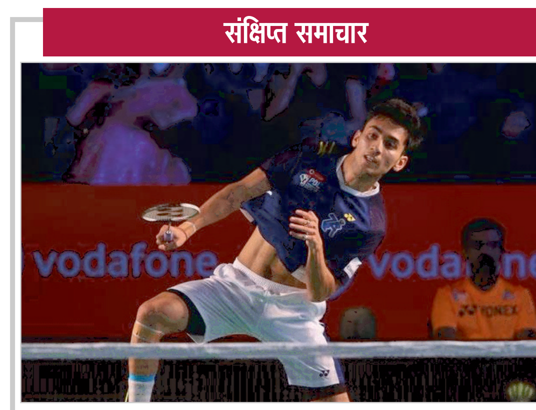

राष्ट्रमंडल खेल : लक्ष्य सेन ने बैडमिंटन में एक और पदक पक्का किया, फाइनल में पहुंचे

स्पोर्ट्स डेस्क । राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लक्ष्य सेन ने सिंगापुर के जिया हेंग ते को 21-10, 21-18, 21-16 से हराकर मेडल पक्का किया। सेन ने पहला मैच जीतने के बाद दूसरा मैच मामूली अंतर से गंवा दिया जिसके बाद निर्णायक राउंड में फैसला हुआ और लक्ष्य फाइनल में पहुंचने में कामयाब हुए। सिंगापुर के जिया हेंग ते के खिलाफ भारत के लक्ष्य सेन ने पहले गेम में 21-10 से शानदार जीत दर्ज की। हालांकि दूसरे राउंड में हेंग ते ने वापसी की और लक्ष्य सेन को 21-18 से हार मिली और मुकाबला तीसरे राउंड में पहुंचा। तीसरे राउंड में लक्ष्य सेन ने वापसी करते हुए हेंग ते को 21-16 से हराकर फाइनल में जगह बनाई और सिल्वर पदक पक्का किया जबकि उनका लक्ष्य गोल्ड जीतना रहेगा। इससे पहले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाकर स्वर्ण पदक की ओर कदम बढ़ाए। भारत की 27 साल की खिलाड़ी ने अपने बेहतर तकनीकी खेल की बदौलत सिंगापुर की यिओ जिया मिन को 49 मिनट चले मुकाबले में 21-19 21-17 से हराया।

पिछले साल के टी20 विश्व कप के लिए रवैये और दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत थीः रोहित

लॉडेरहिल (अमरीका) । कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि पिछले साल टी20 विश्व कप में लचर प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम अपने रवैये और दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए मजबूर हुई। रोहित अब ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के आगामी सत्र में भारतीय टीम की अगुवाई करने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन इससे पहले टीम को एशिया कप में खेलना है। रोहित ने कहा, 'हमने दुबई में टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह नहीं बनाने के बाद स्पष्ट कर दिया था कि हमने महसूस किया कि हम अपना खेल कैसे खेलते हैं, इस बारे में हमारे रवैये और दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत है। भारत गत चैंपियन के रूप में एशिया कप में उतरेगा जिसे टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने पिछले कुछ महीनों में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी शैली अपनाई है और रोहित ने बताया कि टीम आगामी चुनौतियों के लिए कैसे तैयार हो रही है। उन्होंने कहा, 'अगर कप्तान और कोच से यह संदेश स्पष्ट है कि टीम कहां जाने की कोशिश कर रही है तो हर खिलाड़ी निश्चित रूप से ऐसा करने की कोशिश करेगा। ऐसा करने के लिए उन्हें स्वतंत्रता और स्पष्टता की आवश्यकता है और यही हम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें ज्यादा से ज्यादा आजादी देने की कोशिश कर रहे हैं। इतने सारे युवा नेतृत्वकर्ताओं की मौजूदगी में टीम की कप्तानी करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, 'मुझे पता है कि टीम में इतने सारे नेतृत्वकर्ता तैयार करना रोमांचक है क्योंकि यह हमेशा एक अच्छा संकेत है।

बचपन से दौड़ने की जिद ने अविनाश साबले को दिलाई सफलता, राष्ट्रमंडल खेलों में जीता सिल्वर

नई दिल्ली ।

राष्ट्रमंडल खेलों में 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने अविनाश साबले का बचपन में बेहद तंगहाली में बिता है और वह तब भी दौड़ते थे जब महज पैदल चलने से काम बन जाता। वह अपने घर से स्कूल तक छह किलोमीटर की दूरी को दौड़कर तय करने के साथ ही अपनी अधिकांश गतिविधियों को इसी तरह से करते थे। उनके माता-पिता को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि कम उम्र से ही उनके बेटे की रोजमर्रा की दिनचर्या धीरे-धीरे एथलेटिक्स में करियर की ओर ले जाएगा। साबले की विनम्र पृष्ठभूमि ने उनके कोच अमरीश कुमार का भी ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने साबले की प्रतिभा को पहचान लिया और फिर उनके करियर ने उड़ान भरी। साबले ने शनिवार को आठ मिनट 11.20 सेकंड का समय निकालकर आठ मिनट 12.48 का अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह कीनिया के अब्राहम किबिवोट से महज 0.5 सेकंड से पीछे रह गए। कीनिया के एमोस सेरेम ने कांस्य पदक जीता। इस 27 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'जब मैं एक बच्चा था, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक एथलीट बनूंगा और देश के लिए पदक जीतूंगा। यह नियति है। पांच साल पहले भारतीय सेना से जुड़ने के बाद साबले ने प्रतिस्पर्धी खेल में हाथ आजमाना शुरू किया। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि अगर हौसले बुलंद हो और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो ऊंचाइयों को छूने से कोई नहीं रोक सकता। महाराष्ट्र के बीड जिले के मांडवा गांव में एक गरीब किसान के परिवार में जन्मे साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बार-बार तोड़ने की आदत बना ली। बर्मिंघम में उनके पदक के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि 1994 के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाले पहले गैर-कीनियाई बने। लंबी दूरी के धावक साबले के नाम तीन स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उनके नाम 5000 मीटर (13:25.65) और हाफ मैराथन (1:00:30) राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी हैं। उन्होंने मई में बहादुर प्रसाद का 30 साल पुराना 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद फिडे उपाध्यक्ष बने

चेन्नई ।

भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को रविवार को खेल की वैश्विक संचालन संस्था फिडे का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया जबकि निवर्तमान अध्यक्ष आर्केडी वोर्कोविच को दूसरे कार्यकाल के लिए दोबारा अध्यक्ष चुन लिया गया। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद वोर्कोविच की टीम का हिस्सा थे। वोर्कोविच को 157 मत मिले जबकि उनके विरोधी आंद्रेई बैरिशपोलेट्स के पक्ष में सिर्फ 16 मत पड़े। एक मत अवैध रहा जबकि पांच सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। चुनाव शतरंज की वैश्विक संस्था की फिडे कांग्रेस के दौरान हुए जिसका आयोजन यहां 44वें शतरंज ओलंपियाड के दौरान किया गया। अपने करियर के दौरान ढेरों खिताब और सम्मान जीतने के बाद चेन्नई के आनंद ने हाल के समय में अपनी प्रतियोगिताओं की संख्या में कटौती की थी और कोचिंग पर अधिक ध्यान दे रहे थे। आनंद ने अपनी किशोरावस्था में ही सुर्खियां बटोरना शुरू कर दिया था जब वह विश्व जूनियर खिताब जीतने के बाद भारत के पहले ग्रैंडमास्टर बने। वह तब से शतरंज के वैश्विक मंच पर भारत की अगुआई कर रहे हैं। आनंद ने पांच विश्व खिताब जीते। उन्होंने अपना आखिरी विश्व खिताब 2017 में विश्व रेपिड खिताब के रूप में जीता। वह शतरंज ओलंपियाड में हिस्सा ले रही भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं लेकिन मेजबान देश की सभी टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं।उन्होंने प्रशासक के रूप में खेल के लिए कुछ करने की इच्छा जताई है और पहले कार्यकाल में वोर्कोविच और उनकी टीम के काम की सराहना की। चुनावों से पहले वोर्कोविच ने आनंद को अपनी टीम में रखने की बात कही थी। वोर्कोविच ने कहा था- मुझे वास्तव में गर्व है कि आनंद उपाध्यक्ष पद के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। वह एक महान व्यक्ति हैं। वह लंबे समय से मेरे मित्र हैं। उन्होंने कहा- पहले से ही वह दुनिया भर में बेहद लोकप्रिय है। इस देश में ही नहीं बल्कि मैं जहां भी जाता हूं उनके व्यक्तित्व और योगदान को फिडे इतिहास और फिडे भविष्य के रूप में स्वीकार और मान्यता प्राप्त है। हमारे पास वास्तव में एक अच्छी टीम है।

राष्ट्रमंडल खेल : संदीप कुमार ने पुरूषों की 10,000 मीटर पैदल चाल में जीता कांस्य पदक

बर्मिंघम ।

भारत के संदीप कुमार ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरूषों की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में एक अन्य भारतीय अमित खत्री सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय 43:04.97 से नौवें स्थान पर रहे। संदीप ने 38:49.21 मिनट का समय निकाला जिससे वह स्वर्ण पदक विजेता कनाडा के इवान डनफी (38:36.37) और रजत पदक विजेता आस्ट्रेलिया के डेकलान टिनगे (38:42.33) से पीछे रहे।

राष्ट्रमंडल खेलों में चयन के बाद से ही पदक मेरे दिमाग में था : सोनलबेन पटेल

बर्मिंघम ।

राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में शनिवार को कांस्य पदक जीतने के बाद शीर्ष भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी सोनालबेन पटेल ने पदक अपने करीबी और देशवासियों को समर्पित किया। भारत की पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी सोनलबेन मनुभाई पटेल ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में एनईसी हॉल 3 में महिला एकल क्लास 3-5 में इंग्लैंड की सू बेली को हराकर कांस्य पदक जीता। सोनलबेन ने कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों में एकल में मेरा पहला पदक है। मैं खुश हूं। मैं यह पदक अपने पति, परिवार, कोच और सभी देशवासियों को समर्पित करती हूं। पैरा टीटी खिलाड़ी ने कहा कि सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक मैच के लिए खुद को प्रेरित करना उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने कहा, मैंने टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में भी पदक नहीं जीता था और यह मेरे दिमाग में रहा। जब मुझे राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुना गया, तो मैं पदक जीतना चाहती थी। अपने कांस्य पदक मैच में पटेल ने सू बेली को सीधे सेटों में 3-0 (11-5, 11-2, 11-3) से हराया। पूरे मैच में सोनलबेन मनुभाई पटेल का दबदबा रहा और उन्होंने इंग्लैंड सू बेली के खिलाफ पहले गेम में 11-5 से जीत हासिल की। पटेल ने इंग्लिश पैडलर को कोई मौका नहीं दिया क्योंकि उसने पहले दो गेम एकतरफा अंदाज में 11-5, 11-2 से जीतने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पैडलर ने आगे बढ़कर इंग्लैंड की बेली को 11-5, 11-2, 11-3 से हराकर कांस्य पदक जीता।

सोनलबेन ने सेमीफाइनल में नाइजीरिया की इफेचुकुडे इकपोयी से 1-3 से हार दर्ज की थी। इसने उन्हें स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर

कर दिया और उन्हें कांस्य पदक मैच में खेलना पड़ा।

भारत की पैरा टेबल टेनिस स्टार सोनलबेन पटेल ने गुरुवार को बर्मिंघम में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में नाइजीरिया की चिनेये ओबियोरा को हराकर महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। अपने महिला एकल वर्ग 3-5 एकल मैच में उन्होंने ओबिओरा को 8-11, 11-5, 11-7, 11-5 से हराया।

पंत की हरकत से नाराज हुए कप्तान रोहित शर्मा, बीच मैच में ही विकेटकीपर को समझाया

नई दिल्ली । भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को सीरीज के चौथे टी20 मैच में 59 रन से हरा दिया। जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त भी बना ली। मुकाबले में टीम इंडिया ने 5 विकेट खोकर 191 रन बनाए। इसके बाद विंडीज टीम 19.1 ओवर में 132 रन पर ही ऑलआउट हो गई। मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा ने 16 गेंदों पर 33 रन की तूफानी पारी खेली। इस बीच वह विकेटकीपर ऋषभ पंत पर नाराज भी दिखाई दिए। दरअसल वेस्टइंडीज की पारी का 5वां ओवर था। वेस्टइंडीज 192 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा कर रहा था। अक्षर पटेल के उस ओवर की आखिरी गेंद पर विंडीज टीम के कप्तान निकोलस पूरन ने सिंगल चुराने की कोशिश की। हालांकि काइल मेयर्स रन लेने के मूड में नहीं थे और इसकारण भारत के पास रन आउट का मौका भी बन गया। काइल मेयर्स वापस नॉन-स्ट्राइकर छोर की तरफ दौड़ गए और पूरन के पास लौटने का वक्त नहीं बचा। इसके बाद संजू सैमसन ने गेंद उठाकर तुरंत पंत के पास फेंकी। हालांकि पंत गेंद को हाथ में लिए स्टंप्स के पास खड़े गए और उन्होंने रन आउट करने से पहले कुछ वक्त लगाया। यह देखकर रोहित उनके पास आए और गुस्से में कुछ बोलते नजर आए। पंत ने फिर उन्हें रन आउट किया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है. भारत के लिए युवा पेसर अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए जबकि आवेश खान को 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच आवेश को ही चुना गया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए और 44 रन का योगदान दिया।

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप:स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिंदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

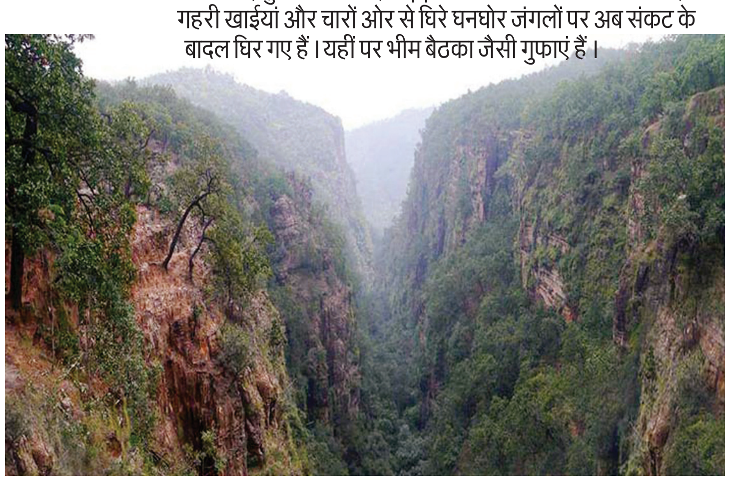

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

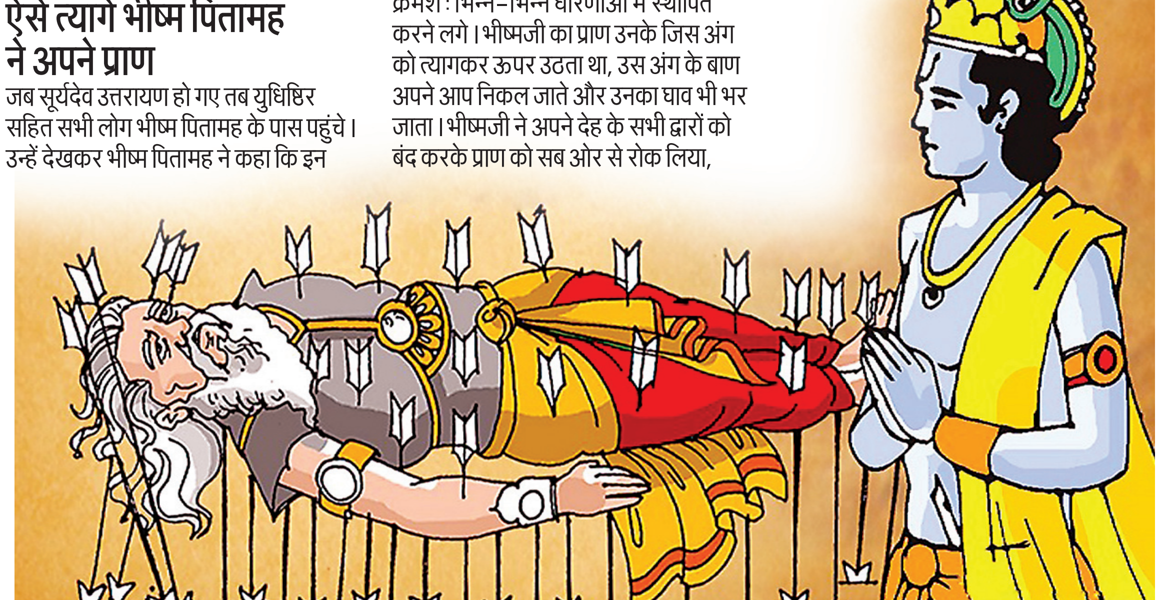

दुनिया का पहला कृत्रिम भ्रूण तैयार, इस्राइल के वैज्ञानिकों ने कोशिका की मदद से बनाया जीव

वाशिंगटन। दुनिया में पहला कृत्रिम भ्रूण तैयार किया गया है। इसमें जीव का दिल भी धड़का और मस्तिष्क ने भी पूरा आकार लिया है। इस्राइल में वेइजमान इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों को इसके लिए न तो कोई निषेचित अंडे लिए और न ही किसी शुक्राणु की ही जरूरत पड़ी। मेडिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित शोध में टीम ने चूहे के स्टेम सेल से भ्रूण को विकसित किया है। यह वर्षों से प्रयोगशाला में एक खास तरह के बर्तन में रखा गया था। उन्होंने इसी बर्तन में मूल कोशिकाओं से ही पूर्ण भ्रूण को विकसित कर दिया। जिसका दिल भी धड़का और उसके मस्तिष्क ने भी पूरा आकार ले लिया। इसे गर्भ के बाहर ही स्टेम सेल्स (मूल कोशिका) को मिलाकर विकसित किया गया है। कोशिका की मदद से ही संपूर्ण जीव को बनाया गया। वैज्ञानिकों ने हूबहू गर्भ में भ्रूण विकसित करने के जैसे ही प्रक्रिया का इस्तेमाल किया। इसमें केवल कृत्रिम उपकरणों की मदद ली गई। मूल कोशिकाओं को बीकर के अंदर न्यूट्रीएंट सॉल्यूशन में रखकर लगातार घुमाते हुए रखा गया। ताकि, प्लेसेंटा तक पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए भौतिक रक्त प्रवाह निरंतर बनी रहे।

शोधकर्ता बोले, हमने बहुत बड़ी बाधा को दूर किया

'वेइजमान वंडर वैंडर साइंस न्यूज एंड कल्चर' में प्रकाशित अध्ययन के प्रोफेसर जैकब हन्ना ने कहा कि अब तक ज्यादातर शोध में विशेष कोशिकाओं का उत्पादन करना या तो मुश्किल होता था या वे अलग हो जाते थे। इसके अलावा प्रत्यारोपण के लिए अच्छी-संरचानाओं वाले उत्तक के तौर पर उपयुक्त नहीं हो पाते थे। हम इन बाधाओं को दूर करने में सफल हुए हैं। भविष्य में यह शोध मेडिकल साइंस की दुनिया के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकता है। अध्ययन के दौरान कृत्रिम भ्रूण 8.5 दिनों तक विकसित होते रहे और इस दौरान सभी प्रारंभिक अंग बन गए थे, जिसमें एक धड़कता हुआ दिल, ब्लड स्टेम सेल सर्कुलेशन, अच्छी आकार वाला मस्तिष्क, एक न्यूरल ट्यूब, और एक इंटेस्टाइनल ट्रैक्ट भी शामिल है।

क्यूबा के तेल भंडार पर कहर बनकर टूटी आकाशीय बिजली, 121 लोग गंभीर रूप से घायल, 17 लापता

मतंजस शहर। क्यूबा के मतंजस शहर में एक तेल भंडारण में आकाशीय बिजली गिरने से लगी आग अनियंत्रित हो गई। देखते ही देखते आसपास के इलाके धमाकों से गूंजने लगे। वहीं आग की लपटें इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। अधिकारियों के मुताबिक इस भीषण आग में 121 लोग घायल हो गए और 17 दमकलकर्मी लापता हो गए। ऊर्जा मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि अग्निशमनकर्मी और अन्य विशेषज्ञ आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं।

100 किलोमीटर तक फैला धुएं का गुबार

आधिकारिक क्यूबा समाचार एजेंसी ने कहा कि तेज आंधी के बाद आकाशीय बिजली एक टैंक पर गिरी जिससे आग लग गई और देखते ही देखते दूसरे टैंक में फैल गई। इसके बाद जैसे ही सैन्य

हेलीकॉप्टरों ने आग पर पानी गिराते हुए उड़ान भरी, काले धुएं का गुबार हवाना की ओर 100 किलोमीटर (62 मील) से अधिक पश्चिम की ओर फैल गया।

थोड़ी देर हो जाती तो कई लोगों की जान चली जाती

इस घटना के बारे में ऊर्जा और खान मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया कि अग्निशमनकर्मी और अन्य विशेषज्ञ आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। जहां शुक्रवार रात आंधी के दौरान आग लग गई थी। अधिकारियों ने कहा कि लगभग 800 लोगों को आग की लपटों से बचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि अगर थोड़ी देर हो जाती तो कई लोगों की जान चली जाती।

कई पड़ोसी देशों ने की मदद की पेशकश

सरकार ने कहा कि तेल क्षेत्र में अनुभव वाले मित्र देशों के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से मदद मांगी थी। उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने कहा कि अमेरिकी सरकार ने आग बुझाने के लिए तकनीकी मदद की पेशकश की थी। वहीं कुछ मिनट बाद, राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने मेक्सिको, वेनेजुएला, रूस, निकारागुआ, अर्जेंटीना और चिली को उनकी मदद की पेशकश के लिए धन्यवाद दिया।

आसियान के विशेष दूत ने म्यांमार के लिए भविष्य में फांसी को लेकर चेतावनी दी

कंबोडिया। कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन ने कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमा में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने में मदद करने की पड़ोसी देशों की कोशिशें हाल में तब बाधित हुई, जब दक्षिणपूर्वी एशियाई देश (म्यांमा) में चार राजनीतिक कार्यकर्ताओं को फांसी दी गयी। उन्होंने 10-सदस्यीय दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) में म्यांमा के विशेष दूत के तौर पर आगाह किया कि आगे और फांसी देने से क्षेत्रीय समूह को इस पर पुनर्विचार के लिए विवश होना पड़ेगा कि म्यांमा के साथ भागीदारी का स्तर कैसा हो।

प्राक सोखोन आसियान के विदेश मंत्रियों की सप्ताह भर चली बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। जारी बैठक की अंतिम विज्ञप्ति के एक अंश में म्यांमा में हिंसा समाप्त करने की दिशा में विफल रहने के लिए उसकी आलोचना की गयी है। उन्होंने शनिवार को म्यांमा के असंतुष्ट लोगों को फांसी दिए जाने को उनकी मध्यस्थता के प्रयासों के लिए एक ''झटका' बताया और कहा कि म्यांमा के अलावा आसियान के नौ देश ''यह देखने के लिए थोड़ा इंतजार करने को राजी हो गए हैं कि आगामी हफ्तों तथा महीनों में चीजें किस तरह बदलती हैं।'

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की कोरोना जांच रिपोर्ट आई निगेटिव, अभी कुछ दिन एकांतवास में ही रहेंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कोविड-19 संक्रमण से ठीक हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की कोरोना जांच रिपोर्ट शनिवार (स्थानीय समय) को निगेटिव आई। इससे ठीक एक सप्ताह पहले बीते एंटीजन टेस्टिंग के दौरान वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

राष्ट्रपति के चिकित्सक केविन ओ 'कॉनर के अनुसार, 79 वर्षीय जो बाइडन की कोविड-19 एंटीजन टेस्टिंग रिपोर्ट शनिवार सुबह निगेटिव आई है। हालांकि, ओ' कॉनर ने राष्ट्रपति के स्वास्थ्य स्थिति को लेकर जारी दैनिक अपडेट में कहा कि बाइडन अभी भी सख्त आइसोलेशन प्रक्रियाओं का पालन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति कोरोना की दूसरी निगेटिव रिपोर्ट आने तक सख्त आइसोलेशन में ही रहेंगे। ओ 'कॉनर ने कहा, 'बाइडन लगातार बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं।'बाइडेन इससे पहले भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। व्हाइट हाउस की ओर से 21 जुलाई को इस बात की पुष्टि की गई थी और लगभग एक सप्ताह तक उनका इलाज चला था। इस बीच 26 जुलाई को उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। इसके बाद 30 जुलाई को फिर से बाइडन की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई थी। जब उनके डॉक्टर ने कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि की थी तो उन्होंने अपने स्वास्थ्य को लेकर

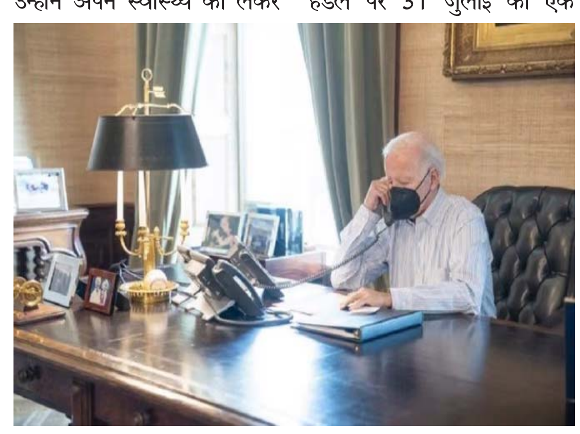

लोगों को ताजा जानकारी देने के लिए एक वीडियो पोस्ट किया था।

बाइडन ने अपने ट्विटर हैंडल पर 31 जुलाई को एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह अपने डॉग कमांडर के बगल में खड़े नजर आ रहे थे। वीडियो में बाइडन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा था, ÷आज सुबह कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया। अगले कुछ दिनों के लिए घर से काम करने जा रहा हूं। मैं अच्छा महसूस कर रहा है, सब कुछ अच्छा है। लेकिन कमांडर और मुझे थोड़ा काम करना है।'

केविन ओ 'कॉनर ने व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे को लिखे एक पत्र में कहा था कि कई बार राष्ट्रपति की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद फिर से कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। व्हाइट हाउस के चिकित्सक ने कहा कि यह 'रिबाउंड' कोरोना पॉजिटिविटी को दर्शाता है। पत्र में आगे कहा गया, 'मंगलवार शाम, बुधवार सुबह, गुरुवार सुबह और शुक्रवार सुबह कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद, राष्ट्रपति एंटीजन परीक्षण में शनिवार की सुबह (30 जुलाई) कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।'

बाइडन के डॉक्टर ने कहा कि पैक्सलोविड से उपचारित रोगियों के एक छोटे प्रतिशत में पाया गया है कि वह फिर से कोरोना पॉजिटिव हो जाते हैं। हालांकि, उपचार शुरू करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि बाइडन ने कोरोना के लक्षणों के फिर से उभरने का अनुभव नहीं किया है और वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क में बढ़ा पोलियो वायरस का खतरा, अधिकारियों को सैंकड़ों लोगों के संक्रमित होने की आशंका

न्यूयॉर्क।अमेरिका के न्यूयॉर्क में पोलियो वायरस संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा । न्यूयॉर्क के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सैंकड़ों निवासी विनाशकारी पोलियो से संक्रमित हो सकते हैं। राज्य के काउंटी के अपशिष्ट जल में वायरस मिले हैं। राज्य निगरानी ने जून-जुलाई में ऑरेंज काउंटी के दो अलग-अलग इलाकों में पोलियो वायरस की मौजूदगी को पाया है। ये जगह न्यू यॉर्क शहर से लगभग एक घंटे की ड्राइव पर है। ये चेतावनी रॉकलैंड काउंटी में पोलियो के मामले मिलने के हफ्ते भर के भीतर आई है। पिछले महीने रॉकलैंड

के अपशिष्ट जल में भी वायरस का पता चला था।

राज्य के स्वास्थ्य आयुक्त डॉ, मैरी बेसेट ने कहा कि पहले के पोलियो आउटब्रेक के आधार पर न्यूयॉर्क के लोगों को पता होना चाहिए कि लकवाग्रस्त पोलिए के हर मामले में सैंकड़ों अन्य लोग संक्रमित हो सकते हैं। नए वेस्ट वाटर के निष्कर्षों के आधार पर विभाग इसे एक संभावित प्रसार मान रहा है। विभाग की ओर से कहा गया कि आंकड़ों को देख कर हम मानते हैं कि ये पोलियो का खतरा न्यूयॉर्क में है। अधिकारियों का कहना है कि इनके फैलने की संभावना कम है, लेकिन ये असंभव नहीं है। अमेरिका में क्योंकि वाटर ट्रीटमेंट उच्च स्तर का है, जिसके कारण ये दुर्लभ है कि कोई व्यक्ति प्रदूषित जल को पीए। ज्यादातर मामलों में पोलियो या तो हल्का या बिना लक्षण वाला होता है, इसलिए यह संभावना है कि ऐसे सैकड़ों मामले होंगे, जिनका पता कभी नहीं लग सकेगा। ऑरेंज काउंटी में मामले का पता लगना इस बात की आशंका की पुष्टि करता है कि यह वायरस रॉकलैंड के मामले का पता चलने से पहले फैल रहा है। टीका लगवा चुके व्यक्ति को चिंता करने की कोई बात नहीं है, और अमेरिका के पास 90 प्रतिशत से अधिक का टीका कवरेज है। प्राथमिक विद्यालय जाने के लिए टीका लगवाना पड़ता है। टीकाकरण जीवन भर रहता है और किसी व्यक्ति को वायरस से सुरक्षित रहने के लिए किसी बूस्टर की आवश्यकता नहीं होती है। ये वायरस न बढ़े, इसके लिए अधिकारी लोगों से टीकाकरण कराने को कह रहे हैं। ऑरेंज काउंटी में 59 फीसदी लोगों को टीका लगा है, वहीं रॉकलैंड में सिर्फ 60 फीसदी लोगों को वैक्सीन लगा है।

चीन और अमेरिका के बीच जलवायु परिवर्तन पर वार्ता रुकने का प्रभाव कार्रवाई पर न पड़ने की उम्मीद

वाशिंगटन। जलवायु परिवर्तन पर प्रभावी कार्रवाई संबंधी अंतिम दो समझौते दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण उत्पन्न करने वाले देशों अमेरिका और चीन के एक-दूसरे से हुए सौदे के बाद ही संभव हुए थे। मगर अब अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद चीन ने जलवायु पर अमेरिका के साथ वार्ता रोकने की घोषणा कर दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में कांग्रेस प्रदूषक गैसें कम उत्सर्जित करने पर जोर दे रही हैं। दोनों देशों में इससे निपटने के लिए कदम उठाने की तैयारी भी हो चुकी है। विशेषज्ञों ने बातचीत रुकने का प्रभाव इन कदमों पर नहीं होने की उम्मीद जताई है।

वैश्विक जलवायु समिट की प्रगति पर पड़ेगा असर

जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में

चीन, ऊर्जा और जलवायु विशेषज्ञ जोआन्ना लेविस का कहना है, चीन का जलवायु परिवर्तन वार्ता रोकना अप्रत्याशित नहीं है, लेकिन चुभता जरूर है। उम्मीद है कि यह रोक अस्थायी है। चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी विस्तृत आदेश के मुताबिक, इसका ज्यादा जोर सैन्य और रणनीतिक बैठकों पर है। अमेरिका और चीन के बीच वार्ता रुकने का प्रभाव नवंबर में इस संकट पर होने वाली वैश्विक जलवायु समिट की प्रगति पर पड़ेगा। खासकर मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए जटिल तकनीकी मुद्दों पर सीधे सहयोग पर। जलवायु पर अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन कैरी का कहना है कि सहयोग रोकना अमेरिका नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खराब होगा। खासकर विकासशील देशों के लिए। जलवायु परिवर्तन पर देशों के बीच मतभेद दूर नहीं होते तो यह इंसानों के लिए महंगा पड़ेगा। विशेषज्ञों का भी कहना है कि दोनों देशों के बीच जलवायु पर बातचीत नहीं हो रही है तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह कार्रवाई भी नहीं कर रहे। विलानोवा विश्वविद्यालय में चीन की राजनीति, ऊर्जा विशेषज्ञ और पूर्व अमेरिकी राजनयिक डिबोरा सेलिगसोहन के मुताबिक, अमेरिका और चीन को उत्सर्जन पर काबू पाने के लिए घरेलू स्तर पर सख्त कदम उठाने हैं। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय बातचीत या प्रोत्साहन का कोई प्रभाव नहीं होगा।

ताइवान की रक्षा को प्रतिबद्ध अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया व जापान, चीन को कहा- तत्काल रोको सैन्य अभ्यास

वाशिंगटनः अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन से अपना सैन्य अभ्यास तत्काल रोकने के लिए । तीनों देशों ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा ने नोम पेन्ह में दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात करने के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया जिस में कहा गया है, ''विदेश मंत्रियों ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव कम करने के महत्व को लेकर आसियान के बयान की सराहना की।'विदेश मंत्रियों ने कूटनीति की आवश्यकता पर जोर देते हुए बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास करने सहित 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' (पीआरसी) की उन हालिया कार्रवाइयों पर चिंता व्यक्त की, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है, ''उन्होंने पीआरसी द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किए जाने की निंदा की। जापान सरकार ने बताया है कि इनमें से पांच मिसाइल उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरीं। इन प्रक्षेपणों से तनाव बढ़ा है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हुई है। विदेश मंत्रियों ने पीआरसी से सैन्य अभ्यासों पर तत्काल रोक लगाने का आग्रह किया।'

यूक्रेन के रूसी कब्जे वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर गोलाबारी, बिजली की लाइन में लगी आग

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच लंबे खिंचते युद्ध में इन दिनों दोनबास के सबसे अहम सीमा क्षेत्र में लड़ाई छिड़ी हुई है। यहां दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सबसे बड़े जपोरिज्झिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर गोलाबारी का आरोप लगाया। इस भीषण जंग के बीच यूक्रेन से अनाज ले जाने तीन और जहाजों को छोड़ा गया।

तड़के रूसी रॉकेट से दो राउंड फायरिंग में रिएक्टर का पॉवर ग्रिड से संपर्क तोड़ने का आरोप लगाया गया है। यूक्रेन की परमाणु एजेंसी का कहना है कि रूसी रॉकेटों की एक विशाल शृंखला ने रूस-नियंत्रित क्षेत्र स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र का हिस्सा क्षतिग्रस्त कर दिया है। दक्षिणी यूक्रेन में यह यूरोप का सबसे बड़ा संयंत्र रहा है। हालांकि यूक्रेन ने कहा कि इससे अभी कोई विकिरण रिसाव नहीं हुआ है।

एनर्होदर के गवर्नर ने बताया कि जपोरिज्झिया संयंत्र में नाइट्रोजन-ऑक्सीजन इकाई और

एक उच्च वोल्टेज की बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। यूक्रेन ने रूसी बलों पर आतंकी रणनीति को नियोजित करते हुए नागरिक क्षेत्रों में रॉकेट दागने का आरोप भी लगाया। जबकि यहां नियुक्त रूसी अधिकारियों ने इस गोलाबारी के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है।

हाइड्रोजन रिसाव व रेडियोधर्मी कणों के फैलाव का खतरा

जपोरिज्झिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र छह दबावयुक्त जल रिएक्टर हैं और यहां रेडियोधर्मी कचरे का भंडारण होता है। इसलिए इस पर हुए हमले से हाइड्रोजन रिसाव और रेडियोधर्मी कणों के फैलाव का खतरा है। इससे आग फैलने का खतरा भी जताया गया है। हालांकि फिलहाल इस हमले में किसी के हताहत होने की आशंका नहीं है। इस संयंत्र पर रूस ने मार्च में ही कब्जा कर लिया था। रूस ने इसके आसपास वाले क्षेत्रों पर भी नियंत्रण कर रखा है।

संयंत्र में यूक्रेनी तोपखाने से दो बिजली लाइनों में लगी आग : रूस

यह संयंत्र यूक्रेन के दक्षिण-पूर्व में एनर्होदर क्षेत्र में नीपर नदी के बाएं किनारे पर मौजूद है। एनर्होदर में रूस-नियुक्त अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने देर रात नीपर के विपरीत किनारे से संयंत्र पर दो बार गोलाबारी की। इस दौरान संयंत्र की दो बिजली लाइनें यूक्रेनी तोपखाने के हमले से प्रभावित हुईं और उनमें आग लग गई। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि संयंत्र में कितनी बिजली लाइनें हैं।

अनाज-ऊर्जा आपूर्ति के बदले रूस को सैन्य मदद देगा उ. कोरिया

रूस समर्थित रेग्नम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने राजनयिक चैनलों के जरिये स्पष्ट किया है कि वह युद्ध के लिए रूस को मदद देने के लिए तत्पर है। वह रूस के पक्ष में संतुलन बनाने के प्रयास में एक विशाल लड़ाकू बल की आपूर्ति करने के लिए तैयार है।

उन्हें लुहांस्क और दोनेस्क में रूस समर्थित अलगाववादी सेना में तैनात किया जाएगा। दोनों को हाल ही में किम जोंग उन ने स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी है। सैनिकों के बदले किम जोंग की खराब अर्थव्यवस्था को ऊर्जा और अनाज की आपूर्ति की जाएगी।

इमरान की पार्टी PTI ने पाकिस्तान सरकार को नए चुनाव की तिथि के लिए दिया अल्टीमेटम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को नए आम चुनाव की तारीखों की घोषणा करने के लिए एक महीने का अल्टीमेटम जारी किया है। इसने कहा कि वर्तमान सरकार को और अधिक समय देने से देश की अर्थव्यवस्था नष्ट हो जाएगी। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व संघीय सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री शरीफ के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को नेशनल असेंबली भंग करने और नए चुनाव की घोषणा करने के लिए 'एक महीने' से अधिक का समय नहीं देगी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने चौधरी के हवाले से कहा, 'अगले 48 घंटों के भीतर, पार्टी इस्लामाबाद में एक बड़ी बैठक की तारीख की घोषणा करेगी... सभा के दौरान, गठबंधन सरकार को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए PTI एक अल्टीमेटम जारी करेगी।' चौधरी ने कहा कि अल्टीमेटम के बाद भी अगर सरकार चुनाव की घोषणा नहीं करती है, तो 'हमारी कार्रवाई के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि अधिक समय देने से देश की अर्थव्यवस्था नष्ट हो जाएगी।' पूर्व मंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी को पाकिस्तान निर्वाचन आयोग पर विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह संभव नहीं है कि निर्वाचन आयोग पारदर्शी चुनाव कराए। इसलिए निर्वाचन आयोग को बदलना आवश्यक है तथा राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए एकमात्र रास्ता आम चुनाव है।'

अफगानिस्तान में फिर अमेरिकी ड्रोन हमला, आतंकी अल जवाहिरी के बाद एक और 'लक्ष्य' तबाह

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में अल-कायदा प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत के कुछ दिनों बाद अफगानिस्तान के गजनी प्रांत के अंदारो इलाके में ड्रोन से मिसाइलें दागी गईं हैं। माना जा रहा है कि यह हाई वैल्यू टारगेट मिसाइलें थीं। हालांकि तालिबान का कहना है कि मिसाइल हमले के बारे कोई जानकारी नहीं है।

पत्रकारों ने किया दावा

पाकिस्तान की पत्रकार सुमैरा खान ने एक ट्वीट में लिखा कि अफगानिस्तान के गजनी प्रांत के अंदारो इलाके में कथित तौर पर ड्रोन से दागी गई मिसाइलें ने हाई प्रोफाइल लक्ष्य को निशाना बनाया। वहीं तालिबान ने कहा कि लक्ष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक अन्य पत्रकार मुश्ताक यूसुफजई ने तालिबान सूत्रों के हवाले से घटना की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान में तालिबान के सूत्रों ने कहा कि शनिवार शाम एक ड्रोन ने मिसाइल दागी और अफगानिस्तान के गजनी प्रांत के अंदारो इलाके में एक लक्ष्य को निशाना बनाया है। तालिबान ने कहा कि लक्ष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा

राष्ट्रपति जो बाइडन ने दुनिया को संबोधित कर बताया था कि अमेरिका ने आतंकवादी संगठन अल कायदा के सरगना अयमान अल जवाहिरी को एक ड्रोन हमले में मार गिराया। बता दें कि साल 2011 में ओसामा बिन लादेन के

मारे जाने के बाद अल कायदा को यह अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है। अल-जवाहिरी दुनिया के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक था और 11 सितंबर, 2001 के हमलों के मास्टरमाइंड को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिका द्वारा ड्रोन हमले में मार गिराया।

राष्ट्रपति बाइडन ने कही थी ये बात

वहीं राष्ट्रपति बाइडन ने कहा था कि अलकायदा सरगना अयमान अल जवाहिरी काबुल में एक हवाई हमले में मारा गया है। साफ है अगर आप हमारे लोगों के लिए खतरा हैं, तो अमेरिका आपको ढूंढेगा और बाहर निकालेगा, आप चाहे कहीं भी छिप जाएं, चाहे कितना भी समय लगे।

ओसामा बिन लादेन का डॉक्टर था जवाहिरी

जवाहिरी मिस्र का एक सर्जन था, जो अमेरिका के 9/11 हमले में शामिल था। साथ ही उसने ओसामा बिन लादेन के निजी चिकित्सक के रूप में भी काम किया था। ड्रोन हमले के समय जवाहिरी काबुल में अपनी बालकनी था। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया कि अल-जवाहिरी हमले में मारा गया एकमात्र व्यक्ति था और उसके परिवार का कोई भी सदस्य घायल नहीं हुआ था। यह हमला अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) द्वारा किया गया था और इसमें वायु सेना के ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

सार समाचार

रिटायर्ड आईएएस ने ऑनलाइन मंगाई 630 रुपए की शराब, साइबर ठगों ने दो लाख निकाले

नई दिल्ली । देश में कोरोना लाकडाउन के बाद से लोग ऑनलाइन शॉपिंग को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले भी सक्रिय हो गए हैं। वे लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसका एक उदाहरण गुरुग्राम में देखने को मिला है। गुरुग्राम के सुशांत लोक क्षेत्र में रहने वाली पूर्व आईएएस अधिकारी जोहरा चटर्जी को ऑनलाइन शराब ऑर्डर करना भारी पड़ गया और वे ठगी का शिकार हो गईं। मामला बीती 23 जुलाई का है। जोहरा के घर एक पार्टी थी। उन्होंने शराब की होम डिलीवरी के लिए ऑनलाइन ऑर्डर किया था। ऑर्डर 630 रुपये का था, लेकिन इसके बजाय सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के क्रेडिट कार्ड से करीब 2 लाख रुपए निकाल लिए गए। जोहरा चटर्जी 23 जुलाई को पार्टी की व्यवस्था करने में व्यस्त थीं। इस बीच मेहमानों के लिए उन्होंने शाम करीब 6 बजे वेबसाइट पर शराब की होम डिलीवरी के लिए ऑर्डर दिया। उन्होंने बताया कि मुझे अपने मोबाइल फोन पर ऑर्डर करने के बाद कॉल आया। व्यस्त होने के कारण जल्दी में मैंने कॉल करने वाले पर भरोसा करते हुए अपना क्रेडिट कार्ड नंबर और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) बता दिया। ऑनलाइन ऑर्डर में की गई यही जल्दबाजी पूर्व आईएएस अधिकारी को भारी पड़ गई। पुलिस में दी गई अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि ओटीपी बताने के पास मेरे मोबाइल पर एसएमएस आया कि क्रेडिट कार्ड से 630 रुपये डेबिट किए गए थे। जोहरा के मुताबिक, कुछ देर बाद मैंने चेक किया तो पाया कि मेरे क्रेडिट कार्ड से 630 रुपये का नहीं बल्कि 1,92,477.50 रुपये निकाले गए हैं।

दिल्ली में बारिश से मौसम हुआ सुहाना, अभी जारी रहेगा बारिश का यह दौर

नई दिल्ली । दिल्ली में पिछले 2 दिनों से हल्की मध्यम बारिश देखने को मिल रही है। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में 7 अगस्त को भी बारिश हुई है। बारिश की गतिविधियों के बीच दिल्ली के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया है। आईएमडी के मुताबिक, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 92 दर्ज की गई थी। दिल्ली में सोमवार को भी हल्की बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मौसम पूर्वानुमान निजी एजेंसी के अनुसार, मॉनसून की ट्रफ उत्तर की ओर आ चुका है। यही वजह है कि पिछले दो-तीन दिनों से दिल्ली में ठीक-ठाक बारिश देखी जा रही है। हालांकि, बारिश की वजह से एनसीआर के कई इलाकों में भारी जलजमाव देखने को मिला है। वहीं, कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की भी स्थिति नजर आई. मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा के कुछ हिस्सों में भी बारिश देखने को मिल सकती है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आएगी है, इससे उमस में और कमी आएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में अब मौसमी गतिविधियां कम होने वाली हैं, लेकिन दिल्ली एनसीआर में हल्की फुल्की बारिश अभी जारी रहेगी।

न्यायाधीश के हत्यारों को मृत्युपर्यन्त आजीवन कारावास की सजा

धनबाद । झारखंड में धनबाद की विशेष अदालत ने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (अष्टम) उत्तम आनंद की हत्या के दो दोषियों को मृत्युपर्यन्त आजीवन कारावास और तीस-तीस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत के न्यायाधीश रजनीकांत पाठक ने उत्तम आनंद की हत्या के लिए दोषी करार दिए गए आटो चालक लखन वर्मा एवं उसके सहयोगी राहुल वर्मा को मृत्युपर्यन्त सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष अदालत ने 28 जुलाई को दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था। विशेष न्यायाधीश ने दो अलग-अलग अपराधों के लिए दोनों दोषियों को अलग-अलग सजा सुनाई। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषसिद्धि के लिए दोनों अभियुक्तों को मृत्युपर्यन्त उम्रकैद की सजा सुनाई और 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सीबीआई अदालत ने आईपीसी की धारा 201 (अपराधी को बचाने के इरादे से साक्ष्य मिटाने) के तहत अपराध के लिए दोनों को सात-सात साल जेल की सजा और दस-दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सजा सुनाते हुए अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों सजा साथ-साथ चलेगी। यद्यपि सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक अमित जिंदल ने दोनों अपराधियों के लिए मौत की सजा की यह कहते हुए मांग की कि एक न्यायाधीश की इस तरह से बेरहमी से हत्या दुर्लभ से दुर्लभतम मामला माना जाना चाहिए, जबकि बचाव पक्ष के वकील कुमार विमलेन्दु ने कहा कि दोनों को कम से कम सजा दी जानी चाहिए, क्योंकि यह हत्या का मामला था ही नहीं, अलबत्ता यह महज एक दुर्घटना थी और उस वक्त दोनों नशे की हालत में थे मामले में सजा सुनाने के बाद मृतक उत्तम आनंद के जीजा विशाल आनंद ने कहा कि न्यायाधीश का परिवार फैसले के अध्ययन के बाद उच्च न्यायालय में अपील करने को लेकर फैसला करेगा।

फिर डरा रहा कोरोना, बीते 24 घंटे में 18 हजार से ज्यादा मामले मिले

नई दिल्ली । महामारी कोरोना का वायरस फिर सक्रिय हो गया है जो डरा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 18738 नए मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ दिनों से देश में कोरोना ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है और हमेशा की तरह केरल और महाराष्ट्र इस मामले में आगे हैं। हालांकि शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को नए मामलों में मामूली कमी आई है। शुक्रवार के देश में 19,406 कोरोना के नए मरीज पाए गए थे जबकि 19,928 लोग संक्रमण के ठीक हुए थे। शुक्रवार को कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1,34,793 थी और पॉजिटिविटी दर 4.95 फीसदी बताई गई थी। नए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 134933 हो गई है। अब तक देश में कोरोना से 4.34 करोड़ लोग ठीक हुए हैं। वहीं अब तक 526689 लोगों की कोरोना के कारण मौत हो गई है। अब भारत में एक दिन में 18,738 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,41,45,732 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,34,933 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 40 और मरीजों के दम तोड़ने के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 5,26,689 हो गई है। आंकड़ों मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.31 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.50 प्रतिशत है। बीते 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 140 की वृद्धि दर्ज की गई है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

जाब- संक्रमित लम्पी स्किन बीमारी का खतरा बढ़ा, 400 से अधिक मवेशियों की मौत

-लगभग 20 हजार गायें संक्रमित

चंडीगढ़ । पंजाब में इन दिनों पालतू मवेशियों में एक गंभीर लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) संक्रमण का प्रकोप चल रहा है जिसके कारण 400 से अधिक मवेशियों की जान जा चुकी है और लगभग 20 हजार गायें इससे संक्रमित हो चुकी हैं। इसके चलते विभाग ने पशुओं को संक्रमण से बचाने के लिए दिशा निर्देश भी जारी किए है। पंजाब पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक राम पाल मित्तल के मुताबिक इस रोग से बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, जालंधर, मोगा और मुक्तसर राज्य के सर्वाधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं। मित्तल ने बताया कि पंजाब में चार जुलाई को 'लम्पी' त्वचा रोग का पहला पुष्ट मामला सामने आया था। उन्होंने कहा कि पंजाब में अब तक एलएसडी के करीब 20,000 मामले दर्ज किए गए हैं और 424 मवेशियों की मौत हो चुकी है। लम्पी स्किन डिजीज एक संक्रामक बीमारी है, जो मच्छर, मक्खी, जूं इत्यादि के काटने या सीधे संपर्क में आने अथवा दूषित खाने या पानी से फैलती है। इससे पशुओं में तमाम लक्षण उभरने के साथ ही उनकी जान जाने का भी जोखिम रहता है। संक्रमित गायों की ज्यादातर सूचना गौशालाओं और डेयरी फार्मों से मिली है। पशुपालन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक लम्पी से संक्रमित पशु से संक्रमण फैलने की आशंका टालने के लिए उसे दूसरों से अलग किया जाना चाहिए।

संसद निष्क्रिय हो गई है, लोकतंत्र 'सांस लेने के लिए संघर्ष' कर रहा: पी चिदंबरम

जामनगर (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि संसद ''निष्क्रिय'' हो गई है। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि संस्थानों को नियंत्रित, कमजोर किया जा रहा है या उन पर कब्जा कर लिया गया है और देश में लोकतंत्र ''सांस लेने के लिए संघर्ष'' कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू सत्र चालू रहने के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलब किए जाने से विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बचाने में ''असफल'' रहे।

चिदंबरम ने साथ साक्षात्कार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उन टिप्पणियों को खारिज किया जिनमें उन्होंने बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन को 'राम मंदिर की नींव रखे जाने के दिन' से जोड़ा था। उन्होंने कहा कि जब प्रदर्शन की तारीख तय की गई, उस समय 'शिलान्यास' की वर्षगांठ की बात तो ''दिमाग में दूर-दूर तक नहीं थी।'' चिदंबरम ने कहा कि यह तारीख इस बात को ध्यान में रखकर तय की गई थी कि शनिवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान होने के कारण दिल्ली में सभी सांसद मौजूद होंगे। उन्होंने कहा कि तर्क को तोड़ने-मरोड़ने के लिए कोई भी व्यक्ति किसी पर भी दोषारोपण कर सकता है।

उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पांच अगस्त, 2019 को ही जम्मू-कश्मीर को अवैध रूप से विभाजित किया गया था।'' शाह ने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बढ़ोतरी के मुद्दों को लेकर कांग्रेस द्वारा काले कपड़े पहनकर किए गए प्रदर्शन को पार्टी की ''तुष्टीकरण'' की नीति बताया था और कहा था कि उसने पांच अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने का विरोध करने के लिए यह प्रदर्शन किया।

मणिपुर में वाहन फूंकने के बाद बढ़ा तनाव, 5 दिन के लिए इंटरनेट सेवा बंद

इंफाल । मणिपुर सरकार ने फुगाकचाओ इखांग में प्रदर्शनकारियों द्वारा एक वाहन को आग लगाने के बाद बढ़े तनाव को रोकने के लिए राज्य में इंटरनेट सेवाओं को 5 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। विशेष सचिव (गृह) एच ज्ञान प्रकाश द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश प्रसारित कर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

शनिवार शाम वाहन में आग लगाए जाने की घटना के बाद बिष्णुपुर के जिलाधिकारी ने घाटी में दो माह के लिए सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी थी। राज्य में अशांति पैदा करने के लिए किए गए उपद्रव ने लोगों के संकट को और बढ़ा दिया है, जो पहले से ही अखिल आदिवासी छात्र संघ मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा शुक्रवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाई गई आर्थिक नाकेबंदी के कारण समस्याओं का सामना कर रहे थे। एटीएसयूएम राज्य में आदिवासी छात्रों का एक प्रभावी संगठन है। एटीएसयूएम, मणिपुर (पहाड़ी क्षेत्र) स्वायत्त जिला परिषद विधेयक 2021 को विधानसभा में पेश करने की मांग कर रहा है। विधेयक राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों की स्वायत्तता सुनिश्चित करेगा, साथ ही घाटी क्षेत्र की तुलना में मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों के समान विकास को सक्षम करेगा। घाटी के एक संगठन मैतेई लीपुन ने लॉकडाउन लागू होने के बाद एटीएसयूएम के अपने इम्फाल कार्यालय को बंद कर दिया। मेतेई लीपुन ने दावा किया कि नाकाबंदी राज्य के घाटी क्षेत्र को लक्षित करती है। हालांकि, राज्य सरकार ने 2 अगस्त को मणिपुर पहाड़ी क्षेत्र जिला परिषद 6वें और 7 वें संशोधन विधेयक को पेश करने का फैसला किया था। एटीएसयूएम को आशंका है कि एन बीरेन सिंह सरकार द्वारा पेश विधेयक, संगठन द्वारा प्रस्तावित विधेयक के अनुरूप है या नहीं।

तेजस्वी के नेतृत्व में पटना की सड़कों पर महंगाई-बेरोजगारी पर विपक्ष का 'प्रतिरोध मार्च'

पटना (एजेंसी)।

लगातार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर बिहार में भी विपक्ष ने आवाज बुलंद की और एक बड़ा मोर्चा निकाला है। रविवार को महागठबंधन पूरे बिहार में प्रतिरोध मार्च निकाला है। जिसके बाद महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा आज बिहार में गूंज रहा है। पूरा लालू परिवार इस मार्च को लेकर सक्रिय हो गया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव स्वयं पटना में रविवार को 'प्रतिरोध मार्च' का नेतृत्व करते नजर आए। इस मार्च में राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव के साथ ही आरजेडी के बड़े-बड़े नेता भी नजर आए। बस को हरी झंडी दिखाई गई और तेजस्वी यादव उस बस पर सवार नजर आए।

राजद नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने इस दौरान कहा कि महंगाई, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार से पूरा देश परेशान है। जिस प्रकार से इन लोगों ने संवैधानिक संस्थाओं को खिलौना बना रखा है, इससे सभी परेशान हैं। तमाम ऐसे मुद्दों को लेकर हम जनता के बीच आए हैं। लोगों का समर्थन देख सकते हैं। आरसीपी सिंह पर ज़मीन खरीद से संबंधित आरोपों पर राजद नेता तेज प्रताप यादव ने कहा कि आप लोग देख ही रहे हैं जिसका पतन होना शुरू हो जाता है, वो अपने आप उजागर होने लगता है। इन लोगों ने पूरी तरह भ्रष्टाचार करने का काम किया। नौजवान इधर उधर भटक रहा है, इसीलिए हम लोग मार्च निकाल रहे हैं।

बिहार में महागठबंधन से अब तक दूरी बनाकर चल रही कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नीत केंद्र सरकार के शासन में बढ़ रही महंगाई के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन के प्रदर्शन का समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि पिछले साल हुए उपचुनाव तक कांग्रेस महागठबंधन की दूसरी सबसे बड़ी घटक थी, लेकिन राजद द्वारा कम महत्व दिए जाने से नाराज होकर उसने अगला लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की धमकी दी थी।

'आप' सांसद राघव चड्ढा ने लोगों से पूछा- किन मुद्दों को संसद में उठाया जाए

चंडीगढ़।(एजेंसी)।

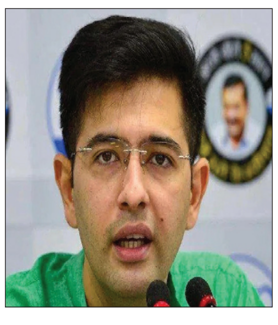

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने रविवार को पंजाब के लोगों से पूछा कि किन मुद्दों को संसद में उठाया जाना चाहिए। राज्यसभा सदस्य चड्ढा ने कहा कि वह लोगों के कल्याण के लिए काम करने की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान की दृढ़ प्रतिबद्धता से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि लोग 9910944444 पर अपने सुझाव या फीडबैक देकर उन मुद्दों के बारे में बता सकते हैं, जिन्हें उनकी नजर में संसद में उठाया जाना चाहिए।

चड्ढा ने कहा कि वे इस नंबर पर व्हाट्सएप के जरिए वीडियो या दस्तावेज भी भेज सकते हैं। उन्होंने कहा, इस पहल का उद्देश्य तीन करोड़ पंजाबियों की चिंताओं को दूर करना और सुझाव लेना है, जिनकी आवाज शायद ही कभी संसद में सुनी जाती है। इसके माध्यम से, लोग सीधे मुझसे संपर्क कर सकते हैं।मैं वह माध्यम बनूंगा जिसके जरिए पंजाब के लोग अपनी चिंताओं को प्रकट कर सकते हैं। मैं इस हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाले हर सुझाव पर विचार करने का संकल्प लेता हूं। चड्ढा ने इससे पहले देश में ईंधन की बढ़ती कीमतों, पंजाब के गिरते भूजल स्तर और सरकार की किसान विरोधी नीतियों से संबंधित मुद्दों को संसद में उठाया था।

ईडी की गहन पूछताछ के बाद वर्षा राउत बोलीं- उद्धव ठाकरे के साथ हैं, कुछ भी हो नहीं छोड़ेंगे शिवसेना

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई के पात्रा चाल घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय राउत पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है जिसके चलते 1 हजार 034 करोड़ के वित्तीय घोटाले के मामले में शिवसेना नेता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कई घंटों की पूछताछ के बाद आखिरकार ईडी ने संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया। स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने संजय राउत की रिमांड फिर बढ़ा दी है। अब संजय राउत को 8 अगस्त तक ईडी की हिरासत में रहना होगा। जिसके बाद अब संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत से भी ईडी ने करीब 8 से 10 घंटे तक गहन पूछताछ की। वर्षा राउत ने दृढ़ संकल्प व्यक्त किया कि हम शिवसेना को नहीं छोड़ेंगे चाहे कुछ भी हो जाए।

ईडी ने वर्षा राउत का विस्तृत जवाब दर्ज कर लिया है। इसके बाद वर्षा राउत ने मीडिया से बात करते हुए ईडी द्वारा की गई जांच की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुझे दोबारा ईडी जांच के लिए नहीं बुलाया गया है। हालांकि वर्षा राउत ने साफ तौर पर कहा कि अगर ईडी दोबारा जांच की मांग भी करता है तो मैं फिर से जांच के लिए पेश होउंगी।

वर्षा राउत ने कहा कि हम हमेशा उद्धव ठाकरे के साथ हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हम शिवसेना पार्टी नहीं छोड़ेंगे। इस पर संजय राउत के भाई सुनील राउत ने कहा कि मेरी भाभी वर्षा राउत ने ईडी के सभी सवालों का जवाब दिया है। ईडी ने उनका जवाब जारी कर दिया है। जवाब के बाद भाभी से बात की। आज शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की जगह उद्धव ठाकरे ने ले ली है। इसलिए हम शिवसेना को कभी नहीं छोड़ेंगे।

इस जन्म में क्या अगले सात जन्मों में भी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते नीतीश कुमार: आरसीपी सिंह

पटना (एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जनता दल (यूनाइटेड) से इस्तीफा देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। मीडिया से बातचीत में आरसीपी ने कहा कि नीतीश कुमार सात जन्म में भी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि जेडीयू डूबता हुआ जहाज है, अब इस पार्टी में कुछ नहीं बचा है। जेडीयू द्वारा आरसीपी सिंह के खिलाफ अकूत संपत्ति बनाने का आरोप लगाकर कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से शनिवार देर शाम इस्तीफा दे दिया है।

इस दौरान, आरसीपी सिंह जेडीयू और बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर जमकर बरसे। जब एक पत्रकार ने उनसे नीतीश कुमार के पीएम बनने को लेकर सवाल पूछा तो वे भड़क गए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार इस जन्म में तो क्या अगले सात जन्म में भी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। आरसीपी सिंह ने कहा कि जेडीयू ने राजनीति का स्तर घटा दिया है। यह डूबता हुआ जहाज है। अब जेडीयू में बचा ही क्या है। जो कार्यकर्ता पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे छोड़ दें।

उल्लेखनीय है कि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके आरसीपी सिंह और पार्टी आलाकमान के बीच तकरार लंबे समय से जारी थी। हाल ही में राज्यसभा चुनाव के दौरान उनका टिकट काट दिया गया। इसके बाद उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। नीतीश सरकार ने उनका पटना स्थित सरकारी बंगला भी छीन लिया था। इसके बाद उनके कुछ करीबी नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया गया।

कुछ दिन पहले आरसीपी सिंह के भाजपा में जाने के कयास भी लगाए गए थे। हालांकि बाद में भाजपा और आरसीपी, दोनों की ओर से इसे खारिज किया गया था। फिलहाल आरसीपी सिंह किसी भी पार्टी में नहीं हैं। उन्होंने अपने अगले कदम की घोषणा नहीं की है। बताया जा रहा है कि वह अलग पार्टी बना सकते हैं, या फिर भाजपा में भी जा सकते हैं।

गूगल ने देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर शुरू की 'इंडिया की उड़ान' परियोजना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की आजादी के 75 साल के सफर में हासिल की गई अहम उपलब्धियों को समेटते हुए गूगल ने एक ऑनलाइन परियोजना शुरू की है, जिसमें समृद्ध अभिलेखागार और कलात्मक चित्रण के माध्यम से देश की आजादी की कहानी का जिक्र किया गया है। 'गूगल आर्ट्स एंड कल्चर' द्वारा शुरू की गई परियोजना 'इंडिया की उड़ान' देश की उपलब्धियों का जश्न मनाती है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी और संस्कृति मंत्रालय तथा गूगल के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित सुंदर नर्सरी में आयोजित एक समारोह में इसका आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया। देशभर में आजादी की 75वीं वर्षगांठ के जश्न के तौर पर गूगल ने सरकार के एक साल तक चलने वाले 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए 'सूचनात्मक ऑनलाइन सामग्री तक पहुंच बढ़ाने और 1947 के बाद से भारत की प्रगति और भारतीयों के योगदान को दिखाने के वास्ते' संस्कृति मंत्रालय के साथ सहयोग किया है। कंपनी ने 2022 के लिए अपनी लोकप्रिय 'डूडल4गूगल' प्रतियोगिता की भी घोषणा की, जिसकी थीम 'अगले 25 वर्षों में मेरा भारत कैसा होगा। इसमें पहली से 10वीं कक्षा तक के छात्र हिस्सा ले सकते हैं।

15 अगस्त से पहले दिल्ली में आईएसआईएस से जुड़ा संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 15 अगस्त से पहले दिल्ली से आईएसआईएस के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आतंकी का नाम मोहसिन अहमद है। उसे आईएसआईएस मॉड्यूल की गतिविधियों को लेकर की गई तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने रविवार को आरोपी मोहसिन अहमद पुत्र मोहम्मद शकील अहमद के आवासीय परिसर की तलाशी ली। मोहसिन अहमद वर्तमान में एफ-18/27, जापानी गली, जोगाबाई एक्सटेंशन, बाटला हाउस में रह रहा था।

एनआईए ने 25 जून को आईपीसी की धारा 153ए और 153बी और यूए(पी) अधिनियम की धारा 18, 18बी, 38, 39 और 40 के तहत मामला दर्ज किया था। गिरफ्तार आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस का कट्टरवादी और सक्रिय सदस्य है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम ने बाटला हाउस के एक घर पर छापा मारा। जहां से संदिग्ध मोहसिन को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान घर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं।

आरोपी आतंकी संगठन का सक्रिय सदस्य है। एनआईए मामले की जांच में जुट गया है। 25 जून को ही एनआईए ने एफआईआर दर्ज कर ली थी। इसके बाद लगातार जांच की जा रही थी। पुलिस ने इस पर नजर बनाकर रखी थी। संदिग्ध मकान की चौथी मंजिल पर किराए पर रह रहा था। मोहसिन पर लगातार आईएसआईएस के मॉड्यूल से जुड़े होने का आरोप है। हवाला, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसों का लेन-देन कर रहा था। संदिग्ध पर यह भी आरोप है कि वो बाटला हाउस में रहकर आसपास के लोगों और छात्रों को बरगलाने की कोशिश करता था।

एजेंसी ने आतंकी पर लगातार नजर रखी हुई थी। जैसे ही पुख्ता सबूत मिले इसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब इससे यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्रिप्टोकरेंसी और हवाला के जरिए जो ट्रांजेक्शन हुए हैं, उन्हें किसने फंड किया। इसका हैंडलर कौन है और कहां बैठा है। यह आगे कहां पैसों की सप्लाई कर रहा था। किसके पास पैसा भेजा जा रहा था। इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएचएआई विशेषज्ञ कंसलटेंट इंजीनियर अलक्षेंद्र मिश्रा ने विस्तार से समझाया तकनीकी जानकारी

आरटीआई एवं सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क विषय पर आयोजित हुआ 111 में सप्ताहिक वेबिनार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूचना के अधिकार कानून से संबंधित जानकारी को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक रविवार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आरटीआई वेबीनार के आयोजन किए जाते हैं।

इसी श्रृंखला में दिनांक 7 अगस्त 2022 को आरटीआई और सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क जिसमें स्टेट रोड कंस्ट्रक्शन, नेशनल हाईवे रोड कंस्ट्रक्शन आदि विषयों पर तकनीकी विशेषज्ञ एवं एनएचएआई के कंसलटेंट इंजीनियर अलक्षेंद्र मिश्रा के द्वारा विस्तार से बारीकियां बताई गई।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेष गांधी उपस्थित रहे जिन्होंने आरटीआई से जुड़े हुए पार्टिसिपेंट्स के प्रश्नों के जवाब दिए एवं धारा 8, 9 और 11 से संबंधित अपवाद पर भी चर्चा की और जो जानकारियां इन धाराओं के

हवाले से छुपाई जाती हैं उसे सार्वजनिक करने के बारे में कहा और यह भी कहा की यह पूरी तरह से गैर कानूनी है कि लोक सूचना अधिकारी धारा 8, 9 अथवा 11 का उपयोग करते हुए जानकारियां नहीं देते।

पार्टिसिपेंट्स ने भी रखे अपने विचार, जाना रोड कंस्ट्रक्शन वर्क की बारीकिया

केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने धारा 8 के विषय में दी जानकारी

इस प्रकार कार्यक्रम में दर्जनों पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया और अपने सवाल का जवाब पाया।

डीपीआर, अप्रूव्ड बिल और अप्रूव्ड ड्राइंग की मदद से जान सकते हैं सड़क निर्माण में खामियां

एनएचएआई के कंसलटिंग इंजीनियर अलक्षेंद्र मिश्रा ने बताया किसी भी सिविल कंस्ट्रक्शन के कार्य के निर्माण के पहले उसका डीपीआर और अप्रूव्ड ड्राइंग एवं अन्य तकनीकी जानकारियां सहित निर्माण एजेंसी की जानकारी प्राप्त कर लेना चाहिए। यदि निर्माण एजेंसी कार्य के दौरान कोई गड़बड़ी करती है तो वहां धारा 2(जे)(1) के तहत निरीक्षण एवं धारा 2(जे)(3) के तहत सैंपल प्राप्त करने के लिए आरटीआई लगाई जा सकती है। जहां भी कार्य में गड़बड़ी दिखे वहां इसकी शिकायत भी की जा सकती है और शिकायत प्रधानमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज की जा सकती है। इससे कंपनी पर प्रेशर बढ़ता है और ब्लैक लिस्ट होने के डर से 80 प्रतिशत तक कार्य में सुधार हो जाता है। लेकिन अमूमन होता यह है कि बड़े कार्यों में लोगों की रुचि नहीं रहती है और ध्यान नहीं देते हैं जिसकी वजह से कंपनियां घालमेल कर निकल जाती है। बाद में कार्य होने के उपरांत इनकी जांच करवाना थोड़ा मुश्किल पड़ जाता है। उन्होंने कुछ अपने अनुभव भी साझा किए और बताया कि किस तरह से पंजाब एवं हरियाणा में एनएचएआई के प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने आरटीआई लगाई थी और उनका आवेदन जगह-जगह

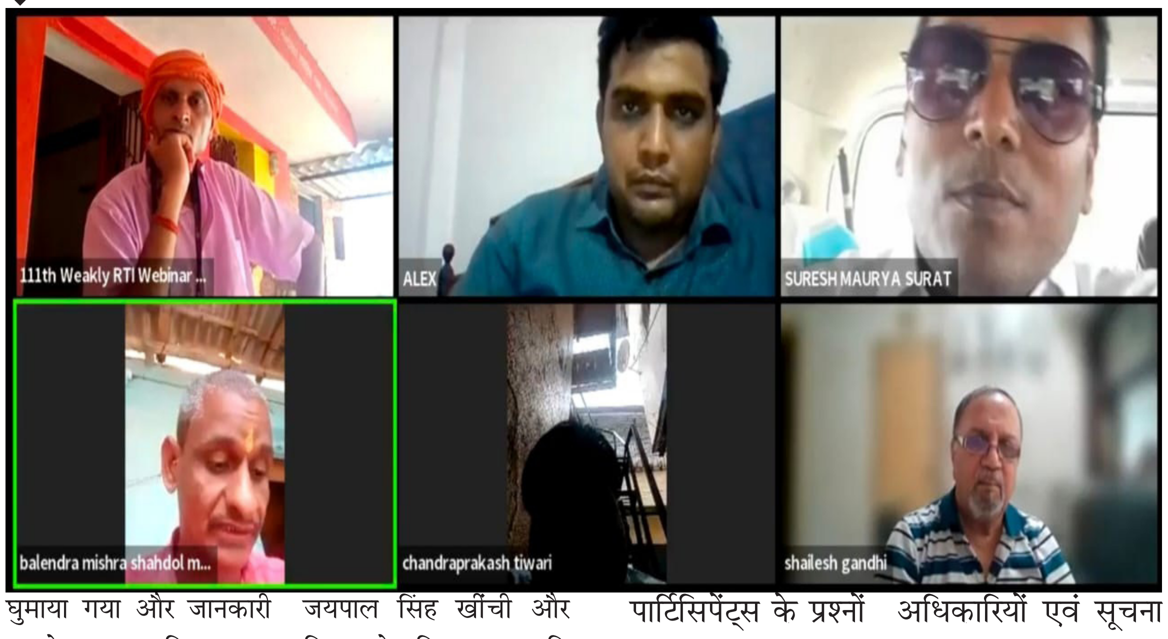

घुमाया गया और जानकारी छुपाने का प्रयास किया गया। इसी प्रकार पार्टिसिपेंट्स छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल, जोधपुर राजस्थान से सुरेंद्र जैन, राजगढ़ मध्य प्रदेश से जयपाल सिंह खींची और बिहार से रजि हसन आदि पार्टिसिपेंट्स ने भी अपने प्रश्न अलक्षेंद्र मिश्रा के समक्ष रखे जिसका उन्होंने जवाब दिया।

धारा 8, 9 या 11 का हवाला देकर अपवाद बोलकर जानकारियां रोकना गैरकानूनी - पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी

पार्टिसिपेंट्स के प्रश्नों का जवाब देते हुए पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने एक बार पुनः लोक सूचना अधिकारियों एवं सूचना आयोग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़ा करते हुए कहा कि आजकल धारा 8, 9 या 11 का हवाला देकर गलत तरीके से गैरकानूनी ढंग से जानकारियां रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज अधिकतम जानकारियां पब्लिक पोर्टल पर रखने योग्य होती हैं और आवेदकों को दिए जाने चाहिए लेकिन होता यह है कि गिरीश रामचंद्र देशपांडे आदि जैसे आधे अधूरे और गलत सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए ज्यादातर जानकारियां रोकी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जो आवेदक अपना आर्गुमेंट सही तरीके से नहीं रख पाते वह हमारे सत्यमेव जयते डॉट इन्फो नामक वह पोर्टल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर संबंधित तर्क किस प्रकार से रखने हैं उसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और उसका अध्ययन कर अपना जवाब सूचना आयोग के समक्ष रख सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया